RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 18 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 09-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है कृषि : बागड़े

6 घायल होकर भी दृढ़ता से किया जवानों का नेतृत्व, आतंकवादियों को किया ढेर

7 झारखंड छात्रों के समर्थन पर उतरी कुनिका सदानंद

फर्स्ट टेक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन उन्हें सुशासन की राह पर लगातार आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। योगी ने कहा कि 'नये भारत' की परिकल्पना करने वाले दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिल्ली में गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नये भारत' के स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज नयी दिल्ली में आत्मीय भेंट की। आपका मार्गदर्शन मुझे सुशासन के पथ पर अविराम गतिशील रहने की प्रेरणा देता है। बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।

लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये

लेह/भाषा। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये कर दी गई है। आयोजकों ने शनिवार को यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।'''

रूसी हमलों में कीव में चार लोगों की मौत

कीव (यूक्रेन)/एपी। यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के क्षेत्र में रूस के हमलों में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ, जब यूक्रेन ने रूस में एक और तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया। शनिवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के ब्रोवरी जिले में रूसी ड्रोन हमलों से एक मकान ध्वस्त हो गया, जिसमें दो बुजुर्ग दंपति और उनके तीन वर्षीय पोते की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि कीव में नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर छह बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए 'हमले'' में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस की ओर से रात में दागे गए 151 ड्रोन में से 135 को उसने मार गिराया या बीच में ही रोक दिया। हमले में छह बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य निर्देशित मिसाइल का भी इस्तेमाल किया गया।

'बिना सोचे-समझे स्वीकार की जाने वाली बातों पर सवाल उठाएं'

आईआईटी दिल्ली का दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को छात्रों से कहा कि वे उन बातों पर सवाल उठाएं, जिन्हें बिना सोचे-समझे मान लिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सिर्फ सवाल पूछने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके समाधान खोजने का साहस भी दिखाना चाहिए। आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए नए समाधान खोजने का साहस रखने वालों के लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे जीवन में अपनी जिज्ञासा और सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखें।

उन्होंने कहा, बिना सोचे-समझे स्वीकार की गई बातों पर सवाल उठाएं, लेकिन सिर्फ सवाल उठाने तक ही सीमित न रहें; उनके समाधान खोजने का साहस भी दिखाएं। उन्होंने कहा कि देश के युवा जितने ज्यादा सशक्त होंगे, पूरा देश उतना ही सशक्त होगा। मोदी ने कहा कि भारत अब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा है; चाहे वह आर्थिक आत्मनिर्भरता हो, तकनीकी आत्मनिर्भरता हो या 'औद्योगिक आत्मनिर्भरता; यही विकसित भारत' की मजबूत नींव है। समारोह से जुड़े गहरे भावनात्मक जुड़ाव को रेखांकित करते हुए, उन्होंने परिसर के जीवंत और सपनों से भरे माहौल का उल्लेख किया। छात्रों और उनके परिवारों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए, मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी डिग्रियां केवल शैक्षणिक सफलता से कहीं ज्यादा हैं; वे देश के प्रति योगदान करने की जिम्मेदारी का प्रतीक हैं।

उन्होंने मेडल पाने वालों की खास तौर पर तारीफ की और संस्थान में नई एआई पहल की शुरुआत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, आप यहां से देश के लिए बहुत कुछ करने का सपना लेकर निकल रहे हैं। छात्रों की इस तेज-तर्रार यात्रा पर बात करते हुए, मोदी ने प्रबोधन दिवस से लेकर दीक्षांत समारोह तक के उनके सफर को विस्तार से याद किया।

उन्होंने छात्रों के मन में मौजूद अलग-अलग तरह की उम्मीदों का भी जिक्र किया- जैसे पहली सैलरी पाना, स्टार्टअप शुरू करना या आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना। उन्होंने कहा, आपको निश्चित रूप से इस शानदार सफर और जिंदगी में एक बिल्कुल नया अध्याय शुरू करने के उत्साह से बहुत संतुष्टि मिल रही होगी।

नफरत से नहीं, प्यार-मोहब्बत से मौजूदा तंत्र को बदलें युवा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को युवाओं से आह्वान किया कि वे नफरत के बजाय 'प्यार और मोहब्बत' के जरिए मौजूदा व्यवस्था को बदलें। उन्होंने कहा कि युवाओं की इस लड़ाई में वह उनके साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। राहुल, यहां केपी ग्राउंड में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं से 'दर्द, डेटा और दौलत' के मुद्दे पर बात की और मंच पर लगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए कहा, डेटा आपका, दर्द आपका लेकिन दौलत इनकी? यह सिस्टम है। यह इन लोगों का तंत्र है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, डेटा आपका, क्षमता आपकी लेकिन तंत्र ने आपको चक्रव्यूह में फंसा रखा है। इस तंत्र ने रोजगार खत्म किया, विश्वविद्यालयों पर कब्जा किया और आप पर भी आक्रमण किया है, लेकिन इस अंधेरे में आप लोगों ने रोशनी जलाई है। राहुल ने दिल्ली में हुए युवाओं के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं ने अंधेरे में 'टॉर्च' जलाई और देश के छात्रों को जगाया। उन्होंने कहा कि युवाओं ने अपने डर

का सामना किया और अपनी आवाज नफरत के साथ नहीं, बल्कि मोहब्बत के साथ उठाई।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत की संस्कृति सत्य और अहिंसा की है, न कि नफरत की। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र के दिल में नफरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा, मोहब्बत की दुकान खोलनी है, आपको प्यार के साथ लड़ना है। राहुल ने कहा कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े डेटा भंडारों में से एक है और यह देश की पूंजी, ताकत और संपत्ति है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में कृत्रिम मेधा (एआई) डेटा से बनती है और ऐसे में प्रगति तथा भविष्य का निर्माण डेटा और युवाओं की क्षमता के जरिए ही होगा। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि युवाओं द्वारा तैयार किया गया डेटा उनसे लेकर बड़ी कंपनियों को दिया जा रहा है और उन्हें लगातार रील देखने व बनाने में उलझाया जा रहा है।

'काश पदक जीतने वालों में और बेटियां होतीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी इच्छा है कि आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में पदक और पुरस्कार पाने वालों में लड़कियां भी शामिल हों। उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने में महिलाओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, क्योंकि आप सिर्फ एक डिग्री नहीं ले रहे हैं; आप देश के लिए बहुत कुछ करने के सपने लेकर यहां से जा रहे हैं। अपनी उपलब्धियों के लिए पदक और पुरस्कार पाने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, अगर एक-दो बेटियां भी होतीं तो और भी अच्छा होता। माफ कीजिए। सिर्फ एक-दो क्यों? उनकी संख्या और ज्यादा होनी चाहिए थी। पढ़ाई-लिखाई में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने मेधावी छात्रों को संस्थान के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किए, जिनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्णपदक शामिल थे। समारोह के दौरान 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से ज्यादा स्नातकों को डिग्री प्रदान की गयी।

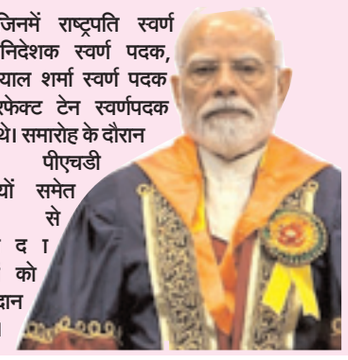

न्याय तक प्रभावी पहुंच के लिए संवाद, गरिमा और समावेशन जरूरी : सूर्यकांत

इंदौर/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्याय तक जनता की प्रभावी पहुंच के लिए संवाद, गरिमा और समावेशन जरूरी हैं और कानूनी सहायता का उद्देश्य केवल मुकदमों का निपटारा करना नहीं, बल्कि लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना भी है। प्रधान न्यायाधीश ने इंदौर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के पश्चिमी जोन के क्षेत्रीय सम्मेलन में कहा कि न्याय तक लोगों की पहुंच संवाद से शुरू होती है।

उन्होंने कहा कि लोगों की अलग-अलग समस्याओं के मुताबिक उन्हें उचित कानूनी समाधान मुहैया कराए जाने चाहिए। सीजेआई ने कहा, ''अलग-अलग समुदायों का दुःख-दर्द उन्हीं की जुबान में सुना जाना चाहिए।'' उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरणों से जुड़े स्वयंसेवकों को न्यायिक सेना'' का हिस्सा बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इन स्वयंसेवकों को चाहिए कि वे गरिमापूर्ण और समावेशी तरीके से पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद करें। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के कई न्यायधीश मौजूद थे।

देश को 'विश्वगुरु' बनाने के लिए वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाना जरूरी : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलढाणा/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश को असल मायने में 'विश्वगुरु' बनाने के लिए वंचित और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मुख्यधारा में लाना जरूरी है। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के खामगांव में पारधी समुदाय के आवासीय विद्यालय में तीन खेल मैदानों का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस समुदाय को आज हम गैर अधिसूचित या

'भटके-विमुक्त' समुदाय कहते हैं, वह कभी ज्ञान देने वाला समुदाय हुआ करता था।

उन्होंने कहा कि वे निस्वार्थ भाव से अपना ज्ञान बांटने के लिए बाहर जाते थे, लेकिन समय के साथ वे हाशिए पर चले गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण पूरे पारधी समुदाय को ''अपराधी जनजाति'' घोषित कर दिया गया, जिससे वे विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गए। भागवत ने कहा कि भारतीय समाज कभी पूरी तरह संगठित था, लेकिन विदेशी आक्रमणकारियों की गुलामी के कारण उसमें बिखराव आ गया। आरएसएस प्रमुख ने कहा, इसके परिणामस्वरूप समाज में वंचित समूहों की संख्या बढ़ गई। इसके बावजूद इन समुदायों ने कभी अधीनता स्वीकार नहीं की और वे लगातार स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे।''

उन्होंने कहा कि संघ कई वर्षों से पारधी समुदाय के विकास के लिए काम कर रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अंबादास दानवे भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

जल भराव

वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर जाते समय घाटों के पास जलभराव वाले इलाकों से गुजरते श्रद्धालु।

आईएस से जुड़े समूह ने कांगो के गांव में 13 लोगों की हत्या की

किन्शासा (कांगो)/एपी। युगांडा की सीमा के पास कांगो के एक गांव में शनिवार तड़के इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े समूह के आतंकवादियों ने हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोग मारे गए और घरों में आग लगाने के साथ ही लूटपाट भी की गई। एक स्थानीय नागरिक समूह ने यह जानकारी दी। ये हमला मंबासा प्रांत के नजदीक बसे बनाना इकोले गांव में हुआ। 'न्यू सिविल सोसाइटी ऑफ कांगो/मंबासा' की प्रमुख मैरी-नोएल एनोटेन और स्थानीय निवासी 'सिल्वेन अंदाली ने एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि इस हिंसा के पीछे 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' (एडीएफ) का हाथ था। एनोटेन ने कहा, ''13 नागरिकों की मौत का यह आंकड़ा अभी शुरुआती है क्योंकि ज्यादातर निवासी फोन का जवाब नहीं दे रहे हैं और आसपास के दूसरे गांवों से संपर्क साधने का प्रयास जारी है।''

09-07-2026 सूर्यास्त 6:33 बजे | सूर्योदय 10-08-2026 5:57 बजे

BSE 78,499.17 (-455.55) | NSE 24,570.65(-65.35)

सोना 15,693 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 237,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध और शांति

युद्ध यदि होगा जगत में,
तो धरा मरुस्थल बनेगी।
दानवों का राज होगा,
व्यवस्था जंगल बनेगी।
धर्म होंगे नष्ट सारे,
प्रीत भी दंगल बनेगी।
शांति ही उपचार इसका,
अहिंसा ही हल बनेगी।।

पेपर लीक विरोधी प्रदर्शन के बीच झारखंड सरकार ने विभिन्न संगठनों से की बातचीत, गतिरोध बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच शनिवार को विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने अपनी सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। सरकार की पांच सदस्यीय समिति ने सबसे पहले जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारी गुट से मुलाकात की, महतो का इस मुद्दे को लेकर अनशन का शनिवार को सातवां दिन है। इस समिति में राज्य के तीन मंत्री भी शामिल हैं। इसके बाद समिति ने कांग्रेस समर्थित

एनएसयूआई, एसीएस और जेसीएम के प्रतिनिधिमंडलों से बातचीत की। इससे पहले शुक्रवार रात को सरकार ने जेपीएससी/जेएसएससी रिफॉर्म मंच के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भी इसी तरह की वार्ता की थी।

सरकार की ओर से गठित समिति के सदस्य और राज्य के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने लगातार हुई बैठकों के बाद कहा, प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों की मांगें जायज हैं। हम इन्हें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सामने रखेंगे। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की छात्र इकाई झारखंड छात्र मोर्चा (जेसीएम) ने सरकार के सामने पांच मांगें रखीं, जिनमें 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द करने की मांग भी शामिल है।

एनएसयूआई के प्रवक्ता संजीव शाह ने बताया कि संगठन ने सरकार के सामने छह मांगें रखीं। इनमें संदेह के घेरे में आई सभी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं की 90 दिनों के भीतर सीआईडी जांच और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की तर्ज पर झारखंड परीक्षा एजेंसी (जेटीए) की स्थापना की मांग शामिल है। आदिवासी छात्र संघ के नेता कार्तिक उरांव ने कहा, ''हमने भर्ती परीक्षाओं में जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को योग्यता परीक्षा के रूप में शामिल करने की मांग की है। इसके अलावा जिन परीक्षाओं में अनियमितताएं मिली हैं, उन्हें रद्द करने की मांग भी रखी गई है।'' राज्य के मंत्री चामरा लिंडा ने कहा, ''यह संभवत: छात्र संगठनों के साथ हमारी आखिरी बैठक थी। उन्होंने भर्ती में रिक्तियों और जनजातीय भाषाओं के संरक्षण समेत दो अन्य मुद्दे उठाए।' सरकार की समिति की पहली बैठक महतो गुट के जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी मंच के साथ हुई, जो करीब दो घंटे तक चली।

सेउटा प्रवासी विवाद

स्पेन ने जवाबी कार्रवाई के तहत इटली के यात्रियों के लिए जांच चौकी स्थापित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैड्रिड/एपी। स्पेन के सेउटा क्षेत्र में अचानक हजारों प्रवासियों के पहुंचने के बाद स्पेन और इटली के बीच राजनयिक विवाद शनिवार को और बढ़ गया। स्पेन सरकार ने इटली के यात्रियों पर सीमा प्रतिबंध लागू करने की घोषणा की। स्पेन से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाने के इटली के फैसले के जवाब में यह कदम उठाया गया है। स्पेन की सरकारी समाचार एजेंसी ईएफई के अनुसार, रात से लागू हुई इस व्यवस्था के बाद बार्सिलोना हवाई अड्डे पर पहुंचने वाले इटली के नागरिकों की पुलिस ने अचानक जांच की। स्पेन सरकार ने कहा कि ये जांच कम से कम एक महीने तक जारी रहेंगी। इससे पहले शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्पेन की यह चेतावनी खारिज कर दी थी कि अगर इटली नौ अगस्त की समयसीमा तक अपने प्रतिबंध नहीं हटाता है तो वह अपने नागरिकों के हितों और सम्मान की रक्षा के लिए उचित कदम उठाएगा।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की प्रवासियों से जुड़ी नीतियों की मेलोनी द्वारा कड़ी आलोचना के बाद इटली ने एक अगस्त से स्पेन के नागरिकों पर हवाई और समुद्री सीमा प्रतिबंध लागू कर दिया था। पिछले महीने के अंत में मोरक्को से 72,000 प्रवासी अचानक स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा में पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में ज्यादातर प्रवासी वापस लौट गए, लेकिन स्पेन और मोरक्को के अधिकारियों के अनुसार 80 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई।

जीवन का आधार है विश्वास व श्रद्धा : आचार्य सुधांशु महाराज

आज 'श्रीधाम आश्रम' में होगा सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मंडल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अमृत ज्ञानवर्षा' के दूसरे दिन शनिवार को दो सत्र में श्री सुधांशुजी महाराज ने ॐ नम: शिवाय की धुन और जप ले हरि का नाम मनवा' के साथ किया। सुधांशुजी महाराज ने अमृत ज्ञान वर्षा करते हुए कहा कि श्रद्धा व विश्वास बच्चों के निश्छल और अटल स्वभाव की तरह होने चाहिए। जहाँ कोई छल, संशय न हो, केवल भरोसा हो जबकि मन की शांति किसी बुजुर्ग की परिपक्वता, धैर्य और अनुभव की तरह होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में स्थिर रहकर सही निर्णय लेने का विवेक देती है। जब आपके भीतर बच्चों जैसा निर्दोष विश्वास और बुजुर्गों जैसी गहराव भरी शांति एक साथ उतरती है, तब जीवन में सफलता का मार्ग मिलता है। मनुष्य केवल एक साधारण जीव नहीं है बल्कि स्वयं में एक मंत्र बन जाता है जहाँ उसकी हर सोच में सकारात्मक ऊर्जा होती है, कर्मों में शक्ति का संचार होता है और उसके व्यक्तित्व को दिव्य तथा प्रेरणादायी आकृति प्राप्त होती है।

आचार्यश्री ने बताया कि जीवन की दिशा तब तक दिशाहीन रहती है जब तक कि उस पर गुरु की कृपा दृष्टि नहीं पड़ती है।

उन्होंने कहा कि सद्गुरु हैं तो जीवन शुरू है। जब जीवन में सद्गुरु का आगमन होता है तब न केवल अज्ञान और संशय का अंधकार छँटता है बल्कि आत्मा को अपने वास्तविक स्वरूप और उद्देश्य का बोध प्राप्त होता है। उनकी शरण में आते ही भटकाव भरा अस्तित्व यात्रा में बदल जाता है जहाँ हर चुनौती में विवेक की स्पष्टता और हर कदम पर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। गुरु का सान्निध्य ही भीतर छिपी हुई संभावनाओं को जगाकर उसे एक नया जीवन नई ऊर्जा प्रदान करता है। आचार्यश्री ने समय, सेहत' और संबंध' को संभाल कर रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह तीनों चीजें बहुत मूल्यवान हैं। जब तक हम इसकी कीमत समझते हैं तब तक बहुत देर हो जाती है। समय एक बार निकल गया तो दुबारा नहीं आता। सेहत पर ध्यान नहीं दिया तो बाद में डॉक्टर के पास चक्कर लगाना पड़ता है और वैसे ही संबंध जब एक बार खराब हो जाता है तो उसे दोबारा नहीं बनाया जाता। आज सोशल मीडिया के समय में एक रील बहुत वायरल हो रही है जो आपके संबंधों को दर्शाती है।

कैसे एक तीन बेटियों के बाप का अंतिम संस्कार अनाथालय के लोग कर रहे हैं और अंतिम संस्कार के समय बेटियों को उपस्थित होने का समय नहीं है और वे वीडियो कॉल पर पूछ रही हैं कि और कितना समय लगेगा,' बहुत बड़ी विडम्बना है। आज हम अपने संबंधों को कहां ले जा रहे हैं?

सहज स्मृति योग

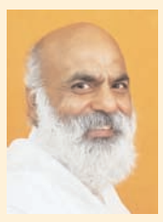

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मेरा प्रश्न भरोसे के संकट पर आकर टिकता है। मैं कैसे आश्वस्त होऊँ और भरोसा करूँ कि जिससे मैं जानना चुन रही हूँ अव्वल तो केवल और केवल वही व्यक्ति मात्र वर्तमान समय में प्रथ्वी पर सर्वथा इसके लिए सुयोग्य अधिकारी है, नहीं तो कम से कम वह व्यक्ति भी परम् ज्ञान प्रदान करने का सुयोग्य अधिकारी है ?

उत्तर : यह कठिन प्रश्न है क्योंकि यह कालातीत है। वेद-उपनिषद्- दर्शन कालीन समय में यह पहचान सहज रही है। कालांतर में यह पहचानना कठिन होता आया है। शास्त्र परम्परा कहती है कि ऋषि वाल्मीकि आदि के चित्त में भी यही प्रश्न उठा था। इसका उत्तर मिलने के कारण/उपरांत ही रामायण की रचना हुई। हरेक काल में चिंतन-शील प्रज्ञावान मनीषियों के मन में यह प्रश्न उठता ही है। वर्तमान में इसके समाधान को निम्न उदाहरण से समझने की कोशिश कीजिए।आप किसी न किसी को चुनाव में वोट देती हैं तो किस आधार पर देती /चुनती हैं ? हालांकि वर्तमान समय की चुनावी प्रक्रिया में इनमें से कोई नहीं भी एक वैकल्पिक प्रावधान है परंतु यथार्थ में ऐसा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि यदि सबने 'नोटा' (अर्थात् इनमें से कोई नहीं) चुना तो चुनाव दुबारा करवाने पड़ेंगे। अर्थात् किसी न किसी को तो चुनना ही होता है।और, हरेक को स्वयं ही चुनना होता है।तभी वह हरेक का अपना किया चुनाव कहलायेगा अन्यथा नहीं। चुनाव करने का अधिकार स्वायत्त है, वह खरीदा, बेचा या डेलीगेट नहीं किया जाता। इसलिए, जिसे आप चुनें उसकी सुयोग्यता और अधिकार को जान पहचान कर ही चुनें, किसी की मानकर नहीं। चुनने का अधिकार आपका (सबका)जन्म सिद्ध अधिकार है। जीवन में कुछ भी चुनने में आपका अपना विवेक ही आपका सबसे बड़ा साथी है। अपने चुनने की अर्हता, योग्यता और पात्रता पर भरोसा होने पर आपकी आत्मिक शक्ति चुनाव की आश्वस्ति का अधिकार आपको स्वयं ही दे देती है क्योंकि, केवल आपकी /हरेक की आत्मा ही उस व्यक्ति को पहचानने की अधिकारी है अन्य किसी को यह अधिकार ही नहीं है। 'फ्री-विल' की अस्मिता या सत्ता या अस्तित्व को जो स्वीकारते हैं उनके लिए तो यह चुनाव आत्म परीक्षा का स्वर्णिम अवसर ही है। इसमें द्वैत आश्रित मानवी मर्यादा की रक्षा/पालना और अद्वैत आध्यात्मिक रहस्य का मान रखते हुए कोई एक नाम नहीं बताया जाता भले ही कोई जानता भी हो तब भी।

पालघर में इमारत का हिस्सा ढहने के बाद 250 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, कोई घायल नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र में पालघर जिले के नालासोपारा में शनिवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत का कुछ हिस्सा ढहने के बाद करीब 250 निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना से वहां रहने वाले लोगों और अधिकारियों में घबराहट फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे बस्ती के अचोले इलाके स्थित रोशनी अपार्टमेंट में हुई। दस साल पुरानी इस इमारत में 56 फ्लैट हैं। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब इमारत की दूसरी मंजिल पर बनी बालकनी का एक हिस्सा टूटकर पहली मंजिल पर गिर गया। इसके बाद दबाव बढ़ने से पहली मंजिल का हिस्सा भी ढहकर नीचे गिर गया।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल कर्मी, वसई-विरार शहर महानगरपालिका (वीवीसीएमसी) के अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचे तथा बड़े पैमाने पर बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। अधिकारी ने कहा कि बचाव दल ने इमारत में मौजूद सभी लोगों को तेजी से बाहर निकाल लिया। करीब 250 लोगों (जिनमें अधिकतर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे) को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

घटना के समय ज्यादातर पुरुष निवासी काम पर गए हुए थे। अधिकारी ने बताया कि इमारत का बचा हुआ हिस्सा खतरनाक हालत में है और इस ढांचे को अब पूरी तरह से सील कर दिया गया है। नगर निकाय के अधिकारी मौके का निरीक्षण करने के बाद इमारत को गिराने या उसे मजबूत करने के संबंध में अंतिम निर्णय लेंगे। इमारत से निकाले गए परिवारों को अस्थायी राहत शिविरों में भेज दिया गया है।

अन्नदान करने से मिलते हैं पुण्य, कटते हैं कर्म : संतश्री अभिजीतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अन्नदान है पुण्य का खजाना। अन्नदान करने से पुण्य का अर्जन व पाप का क्षय होता है । जीवन में सुख धन का आगमन होता है। अन्न हर जीव पशु-पक्षी की जरूरत है बिना इसके सभी जीवों का जीना मुश्किल है। दूसरों की उदरपूर्ति करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। जो व्यक्ति अपनी लक्ष्मी का उपयोग परहित के लिए करता है उसकी लक्ष्मी में हमेशा बढ़ोत्तरी होती है। अन्न ग्रहण करने वाला हमेशा दिल से दुआ देता है और दुआ ही पुण्यार्जन का मुख्य द्वार है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल न होने से भारी राजनीतिक नुकसान हुआ : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा वादे के अनुरूप बहाल किए जाने में हो रही देरी पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को गहरी निराशा जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में इस मुद्दे को लेकर ''गुस्सा और निराशा'' केवल मोदी सरकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें खुद भी इसकी वजह से बहुत बड़ा ''राजनीतिक नुकसान'' उठाना पड़ा है। अब्दुल्ला ने कहा कि ''राज्य का दर्जा बहाल करने में लगातार हो रही देरी से जम्मू-कश्मीर की जनता में निराशा पैदा हुई है, जो केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है। अब्दुल्ला ने यह भी स्वीकार किया कि उनकी अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है, क्योंकि वह लगातार उन गलतियों की कीमत चुका रहे हैं, जो उनकी नहीं हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का दर्जा जल्द बहाल कराने की उम्मीद में केंद्र सरकार के साथ रचनात्मक संबंध बनाने की उनकी शुरुआती रणनीति ने स्थानीय लोगों के बीच उनकी राजनीतिक साख को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। अब्दुल्ला ने 'द वायर' के लिए पत्रकार करण थापर को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैंने इसके लिए अपनी बहुत बड़ी राजनीतिक साख दांव पर लगा दी। मुझे अच्छी तरह पता है कि मैंने इसका एक बड़ा हिस्सा खो दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं उन गुनाहों की सजा भुगतूंगा जो मेरे नहीं हैं, और मैं फिर से वह सलीब उठाऊंगा क्योंकि उसे उठाना मेरी ही जिम्मेदारी है।''

सिद्धिविनायक दान विवाद :फडणवीस ने पिछले पांच साल के मंदिर रिकॉर्ड की जांच के दिए आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में कथित दान अनियमितताओं की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंदिर के पिछले पांच वर्षों के रिकॉर्ड की जांच करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के उस आरोप के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मंदिर से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई। इसके बाद नौ कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई थी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वतंत्र जांच की मांग की थी। अधिकारियों के अनुसार, सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात कर वर्ष 2023 से 2026 के बीच हुए चढ़ावे और आय का विस्तृत ब्योरा दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए। उन्होंने बताया कि फडणवीस ने जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा है। पिछले महीने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी मामले में स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए अधिकारियों को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए थे।

अरुणाचल में मुंहपका-खुरपका बीमारी से 200 से अधिक मिथुन मरे

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी जिले में पिछले एक महीने में मुंहपका-खुरपका बीमारी के प्रकोप से 200 से अधिक मिथुनों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मिथुन एक बड़ा, जंगली बैल जैसा गोजातीय पशु है, जिसे वैज्ञानिक रूप से गायल भी कहा जाता है राज्य सरकार ने बीमारी के प्रकोप के मद्देनजर विशेषज्ञों की एक टीम भेजी है और पूर्वी जिलों में पशु चिकित्सा अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

दिबांग घाटी के जिला पशु चिकित्सा अधिकारी (डीवीओ) डॉ. दाम्मो रिबा ने बताया कि सबसे अधिक मौतें अचेसो गांव में हुई हैं, जहां 90 से अधिक मिथुन मर चुके हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद अंग्रिम में 50 से अधिक और एएलजी गांव में तीन मिथुनों की मौत हुई है। 21वीं पशुधन गणना के अनुसार, जिले में मिथुनों की कुल संख्या 3,925 है। प्रभावित इलाकों में पशु चिकित्सा टीमों ने अभियान तेज कर दिया है।

पोलैंड का प्रतिनिधिमंडल शरणार्थियों के स मान में बन रहे संग्रहालय के काम की समीक्षा की

पुणे/भाषा। पोलैंड के एक उच्चस्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले का दौरा किया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों शरणार्थियों के सम्मान में प्रस्तावित संग्रहालय 'वालीवडे म्यूजियम ऑफ ह्यूमैनिटी' की प्रगति की समीक्षा की। राज्यसभा के पूर्व सदस्य संभाजीराजे छत्रपति की मेजबानी में पोलैंड की संसद (सेज्म) की सलाहकार और प्रख्यात इतिहासकार डॉ. माल्गोरजाता बोनिकोव्स्का ने पोलिश स्मारक स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने शिवाजी विश्वविद्यालय में हुई बैठकों के दौरान संयुक्त शोध कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की। संभाजीराजे ने 'एक्स' पर कहा कि डॉ. बोनिकोव्स्का की यात्रा का प्रमुख उद्देश्य प्रस्तावित 'वालीवडे म्यूजियम ऑफ ह्यूमैनिटी एंड पीस' की प्रगति की समीक्षा करना था।

पंजाब की जनता कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देने का इंतजार कर रही : भूपेश बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलेरकोटला/भाषा। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने शनिवार को कहा कि राज्य के लोग अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत से जिताने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बघेल ने कहा कि ''पंजाब के 18 जिलों का दौरा करने के बाद उन्होंने कांग्रेस के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा है क्योंकि वे आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार से तंग आ चुके हैं। इसने राज्य को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है।''

यहां 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' कार्यक्रम में अपने संबोधन में बघेल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एकजुट होने और चुनावी मुकाबले के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में बघेल, पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और कुछ अन्य नेता मौजूद थे।

बघेल ने जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। वडिंग ने भी भरोसा जताया कि कांग्रेस अगले साल पंजाब में सरकार बनाएगी।

भारी पुलिस बल के बीच अतीक के बेटे अबान को सुपुर्द-ए-खाक किया गया

प्रयागराज/भाषा। माफिया और पूर्व सांसद दिवंगत अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद के शव को शनिवार शाम भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कसारी-मसारी कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

पुलिस ने बताया कि शाम छह बजे अबान के बड़े भाई उमर और अली को पुलिस अभिरक्षा में यहां लाया गया, जिसके जनाजा निकला और कसारी-मसारी कब्रिस्तान में उसके शव को दफनाया गया।

अबान के जनाजे में शामिल होने के लिए उसके दो भाइयों को शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से सशर्त पैरोल मिली थी। अली झांसी जेल में और उमर लखनऊ जेल में कैद था। न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत ने अतीक अहमद की बहन परवीन कुरैशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उमर व अली को अबान के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सशर्त पैरोल दी थी। अबान के जनाजे में भारी संख्या में लोग शामिल हुए और कुछ लोगों ने पुलिस अवरोधकों को तोड़ने का प्रयास किया हालांकि हल्का बल प्रयोग कर उन्हें संभाला गया।

डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस निजी यात्रा पर कोच्चि पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस शनिवार को निजी यात्रा पर कोच्चि पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप के पति माइकल बोलोस के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अपने प्रवास के दौरान बोलोस कोच्चि और पड़ोसी अलप्पुझा के पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि उनके कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी की पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया की कुछ खबरों में कहा गया कि केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने बोलोस के साथ चर्चा की, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने इन खबरों का खंडन किया। उन्होंने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री ने अमेरिका के राजदूत के साथ बातचीत की।

सरकार के एक सूत्र ने कहा, यह एक आधिकारिक बैठक थी। इस संबंध में आई कोई भी अन्य खबर गलत है। संपर्क किए जाने पर अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, माइकल बोलोस करीब एक दशक से राजदूत गोर के मित्र हैं। वह अपने मित्र से मिलने के लिए इस साल दूसरी बार भारत की यात्रा कर रहे हैं। वह यहां निजी हैसियत से आए हैं, किसी आधिकारिक यात्रा पर नहीं।

दुर्लभ 'मेलानिस्टिक' बाघिन मृत पायी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारीपदा/भाषा। ओडिशा में मयूरभंज जिले के सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में एक दुर्लभ मेलानिस्टिक' बाघिन मृत पाई गई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'मेलानिस्टिक' बाघ के शरीर पर काली धारियां इतनी घनी होती हैं कि उसका रंग लगभग काला दिखाई देता है। सिमिलिपाल बाघ अभ्यारण्य के क्षेत्र निदेशक प्रकाश चंद्र गोगिनेनी ने बताया कि सिमिलिपाल पहाड़ियों में एक उच्च ऊंचाई वाली घाटी के मुख्य क्षेत्र अपर बारहाकामुडा में देव नदी के पास एक पांच वर्षीय बाघिन का शव पाया गया है। उन्होंने कहा, ''छह अगस्त की शाम को बाघिन की मौत की सूचना मिलने पर हमने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। उसकी मौत कुछ ही समय पहले हुई थी और उस पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं थे।''

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के प्रोटोकॉल के तहत अगले दिन विस्तृत जांच की गई और शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। उन्होंने बताया कि ऊतक संबंधी जांच के लिए नमूने एकत्र कर भुवनेश्वर स्थित ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी) की प्रयोगशाला भेजे गए हैं। गोगिनेनी ने कहा, ''बाघिन की मौत का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हम प्रयोगशाला की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। एनटीसीए के प्रोटोकॉल के तहत शव को जला दिया गया है।'' काले या छद्म-मेलेनिस्टिक बाघ के शरीर पर गहरे रंग की विशिष्ट धारियां होती हैं। ये दुर्लभ बाघ सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाते हैं।

विमान का निकास द्वार खोलने का प्रयास करने के आरोपी यात्री पर लगा हत्या के प्रयास का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कुआलालंपुर से कोच्चि आ रहे विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोलने की कोशिश करने के आरोपी एक यात्री के खिलाफ दर्ज मामले में हत्या के प्रयास की धारा भी जोड़ी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यात्री पर विमान की खिड़की के पैनल को नुकसान पहुंचाने और अन्य यात्रियों व चालक दल को धमकाने का आरोप है। पुलिस इस घटना के पीछे की वजह की भी विस्तृत जांच कर रही है।

पलक्कड़ के कूट्टनाड का निवासी जमशीर अथानिक्कल बुधवार को बाटिक एयर की उड़ान ओडी231 से कुआलालंपुर से कोच्चि आ रहा था। आरोप है कि उसने विमान के आपातकालीन निकास को जबरदस्ती खोलने की कोशिश की, खिड़की के पैनल को नुकसान पहुंचाया और अन्य यात्रियों को धमकाया, जिससे विमान में सवार लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। पुलिस ने बताया कि चालक दल ने बीच-बचाव कर उसे काबू में किया। बृहस्पतिवार को हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नेदुंबस्सेरी थाने के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3) के तहत आपराधिक धमकी देने, विमान अधिनियम की धारा 11ए के तहत जारी सुरक्षा या संरक्षा निर्देशों का उल्लंघन करने और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 118(ई) के तहत सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य के आरोप में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने कहा, हालांकि, आरोपी की इस हरकत से अन्य यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती थी, इसलिए उसके खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा भी लगाई गई है। जांच के तहत उससे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

पुलिस ने अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए शुरू किया 'ऑपरेशन मुक्त'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु सिटी पुलिस ने शहर के विभिन्न हिस्सों में रह रहे संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए शनिवार को विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुक्त' शुरू किया और 'व्हाइटफील्ड डिवीजन' में 30 से अधिक स्थानों एवं इलेक्ट्रॉनिक सिटी' इलाके में कई जगहों पर तलाशी अभियान संचालित किया। व्हाइटफील्ड के पुलिस उपायुक्त सैदुल्ला अदावत ने बताया कि यह अभियान बेंगलूरु सिटी आयुक्त के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है और इसमें अकेले व्हाइटफील्ड डिवीजन में 500 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि सभी पुलिस थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले 30 से अधिक स्थानों पर लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, ''अगर हमें कोई संदिग्ध लगता है तो हम उसके दस्तावेजों की जांच करेंगे और उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी जुटाएंगे।'' पुलिस सूत्रों के अनुसार व्हाइटफील्ड, वरतुर, काडुगोडी, बालागेरे रोड, बेलंदूर, मराथहल्ली, महादेवपुरा, हेब्बागोडी, इलेक्ट्रॉनिक सिटी इलाकों में तलाशी ली गई। व्हाइटफील्ड के छह थाना क्षेत्रों के तहत करीब 30 स्थानों और इलेक्ट्रॉनिक सिटी में लगभग 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

पुलिस ने बताया कि व्हाइटफील्ड डिवीजन में करीब 40 संदिग्ध लोगों को दस्तावेजों के सत्यापन के लिए हिरासत में लिया गया। इनमें से चार लोगों की पहचान दस्तावेजों के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में हुई है। अन्य लोगों के दस्तावेजों की जांच जारी है। डीसीपी ने कहा, ''अगर हमें कोई पहचान पत्र या ऐसा दस्तावेज मिलता है जिससे पता चलता है कि व्यक्ति किसी दूसरे देश का नागरिक है तो हम इसकी जानकारी विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को देंगे। वहां से निर्वासन आदेश मिलने के बाद कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्हें उनके देशों में भेजा जाएगा।''

पुलिस सूत्रों ने बताया कि झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों से आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र सहित पहचान और नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। जिन लोगों के पास दस्तावेज नहीं मिले या जो संदिग्ध पाए गए, उन्हें आगे की पूछताछ के लिए थानों में ले जाया गया। तलाशी अभियान के दौरान ऐसी अस्थायी बस्तियों की भी जांच की गई, जहां बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार और नेपाल से आए लोग रह रहे हैं। पुलिस ने कहा कि सत्यापन के बाद भारतीय नागरिकों को रहने दिया जाएगा, जबकि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एफआरआरओ के समक्ष पेश किया जाएगा।

पुलिस को एक स्थान पर करीब 150 झोपड़ियां मिलीं, जबकि एक अन्य बस्ती में 100 से अधिक झोपड़ियां थीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन झोपड़ियों को कथित तौर पर 2,000 से 3,000 रुपये प्रति माह के किराये पर दिया जा रहा था। पुलिस अब ऐसी जगह उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। हाल में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक की पहचान करने वाले डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज करने को लेकर शहर पुलिस को फटकार लगाई थी। पुलिस ने उस अवैध प्रवासी की शिकायत पर डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने डॉक्टर-सामाजिक कार्यकर्ता के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की आगे की जांच पर रोक लगा दी थी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि अवैध प्रवास की सूचना देने वालों पर कार्रवाई करके व्यवस्था को अवैध प्रवासन को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

कांग्रेस नेता की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। उडुप्पी जिले की पुलिस ने पडुबिदरी में कांग्रेस नेता डेविड डिसूज़ा की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में कथित तौर पर प्रत्यक्ष रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। डिसूज़ा की शुक्रवार दोपहर मुडरंगडी स्थित सेंट जेवियर चर्च परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, डिसूज़ा अपराह्न करीब पौने चार बजे अपने कार्यालय प्रिंस एंटरप्राइजेज' पहुंचे थे। वह वहां से अपनी कार की ओर जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनके सिर पर गोली मार दी।

गंभीर रूप से घायल डिसूज़ा को उडुपी के आदर्श अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में शिरवा थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि हत्या में कथित तौर पर प्रत्यक्ष रूप से शामिल तीन आरोपी बस से भटकल की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने बाइंदूर में ओट्टिनाने के पास बस को रुकवाया, तभी तीनों आरोपी बस से उतरकर भागने लगे।

पुलिस ने बताया कि इनमें से एक आरोपी राजू (42) ने कापू थाने के उपनिरीक्षक तेजस्वी को धक्का दिया और उन पर गोली चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी गोली चलाई, जो उसके पैर में लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि राजू उत्तर प्रदेश के पिलवा का निवासी है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का एक अलग मामला भी दर्ज है। पुलिस के अनुसार, दो अन्य आरोपियों उत्तराखंड निवासी अजय रस्तोगी उर्फ अनमोल और जियाहुल वाजुल शेख उर्फ दीपक को कुमटा और भटकल पुलिस की मदद से शनिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि वित्तीय विवाद के कारण संभवत: सुपारी देकर डिसूज़ा की हत्या कराई गई।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में महिला मंत्री नहीं होने की टिप्पणी पर शिवकुमार ने रिजिजू को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल में महिला मंत्री नहीं होने को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना करने वाले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मुद्दे का समाधान किया जाएगा।

शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमने ही (महिला आरक्षण विधेयक) पेश किया था और हमने ही इसे पारित कराया था। कांग्रेस पार्टी इसमें (महिलाओं को प्राथमिकता देने में) यकीन रखती है। निश्चित रूप से, मंत्रिमंडल में एक महिला होगी। हम महिलाओं को और मज़बूत बनाएंगे। रीजीजू की बातों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा, आपको पता है कि हमने संसद में (महिलाओं को) कितनी सीटें दी थीं, मुझे लगता है कि आपको यह याद होगा। इसलिए, कर्नाटक में हम निश्चित रूप से इस मुद्दे को सुलझा रहे हैं। रीजीजू को कांग्रेस पार्टी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। रीजीजू ने कर्नाटक मंत्रिमंडल में एक भी महिला मंत्री न होने को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राज्य सरकार के राजनीतिक मामलों पर चर्चा के लिए दिल्ली जा रहे हैं, तो शिवकुमार ने कहा, मुझे जाना ही है, है ना? मैं जाऊंगा। निकलने से पहले मैं आपको बता दूंगा। राज्य में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है, जबकि अभी 33 मंत्री हैं और उनमें से कोई भी महिला मंत्री नहीं है।

धरना

बेंगलूरु स्थित फ्रीडम पार्क में घुड़दौड़ पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर धरना देते 'बेंगलुरु ब्रिगेड फॉर एनिमल लिबरेशन' के सदस्य।

आरएसएस के इतिहास का अध्ययन कर रही कर्नाटक सरकार, आगे की कार्रवाई बाद में तय होगी : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई करेगी और उन्होंने संकेत दिया कि आगे का कदम तय करने से पहले संघ एवं उसके इतिहास का अध्ययन किया जा रहा है। खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह आरएसएस को ''कानूनी दायरे'' में लाएंगे। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि संघ के पंजीकरण समेत विभिन्न मुद्दों पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखे उनके पत्र का कोई जवाब मिला है या नहीं, तो खरगे ने हंसते हुए कहा कि उन्हें जवाब की उम्मीद ही नहीं थी।

मंत्री ने कहा, ''मैंने आपसे कहा था कि जवाब नहीं आएगा, है न? मैंने यह भी कहा था कि हम इस मामले से उचित तरीके से निपटेंगे। हम जो भी करेंगे, वह कानून के दायरे में होगा।'' उन्होंने कहा, ''वे (आरएसएस) कानूनी दायरे से बाहर हैं। मैं उन्हें इसके दायरे में लाऊंगा।'' खरगे ने कहा कि इस मुद्दे को उठाए करीब डेढ़ महीना हो गया है और आगे बढ़ने से पहले सरकार को आरएसएस एवं उसके इतिहास का अध्ययन करने के लिए समय चाहिए। उन्होंने कहा, हमें उसके 100 साल के इतिहास का अध्ययन कर उसे समझना होगा। उन्हें खुद अपने इतिहास की जानकारी नहीं है।

खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर कटाक्ष करते हुए कहा, अब बताया जा रहा है कि उन्होंने हाल में जेन-जी' के कुछ लोगों से मुलाकात की। क्या पहले उनकी पिटाई करना और फिर उनका समर्थन करना ही उनका तरीका है? 'जेन जी' या 'जनरेशन जी' उन लोगों की पीढ़ी को कहते हैं, जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि किसी को देशभक्त या देशद्रोही होने का प्रमाणपत्र देने का अधिकार आरएसएस को किसने दिया।

मंत्री ने कहा, ''वे खुद पंजीकृत नहीं हैं और दूसरों को प्रमाणपत्र देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''क्या मैं तय कर सकता हूं कि कोई देशभक्त है या देशद्रोही? वे कौन होते हैं यह तय करने वाले? वे कौन होते हैं, इस तरह के प्रमाणपत्र बांटने वाले?'' यह पूछे जाने पर कि उनके पत्र का जवाब नहीं मिलने पर सरकार क्या कार्रवाई करेगी, खरगे ने कहा कि सरकार अपनी योजना के मुताबिक आगे बढ़ेगी, लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश ने महिलाओं को तुरंत कानूनी सहायता देने की जरूरत बताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को वारदात के तुरंत बाद महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान किए जाने की वकालत की। साथ ही, उन्होंने कर्नाटक में हाल ही में हुए उन बदलावों की ओर भी इशारा किया, जिनसे नियमित प्रथम अपील पर उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र कम हो गया है। वे राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय और कर्नाटक न्यायिक अकादमी के सहयोग से आयोजित महिलाओं के लिए न्याय विषय पर 'दो दिवसीय दक्षिण जोन क्षेत्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन करने के बाद बोल रही थीं।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि किसी घटना के तुरंत बाद पुलिस थानों या अस्पतालों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, एक ज्यादा व्यवस्थित ढांचा बनाया जाना चाहिए ताकि तालुका स्तर तक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों और गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सरकारी अस्पतालों व पुलिस थानों के बीच बेहतर तालमेल बन सके। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने यह भी सुझाव दिया कि कानूनी सहायता के असर के आधार पर इसकी प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाना चाहिए, न कि केवल उन लोगों की संख्या के आधार पर जिन्हें कानूनी सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि पैरालीगल स्वयंसेवकों को सूचना मिलने पर कम समय में उपलब्ध रहना चाहिए ताकि महिलाओं को तुरंत मदद मिल सके। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि अप्रैल 2025 और मार्च 2026 के बीच 4,14,795 महिलाओं ने कानूनी मदद ली और इस आंकड़े को काबिले-तारीफ बताया। उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति की प्रमुख के तौर पर, उन्होंने सुझाव दिया कि जब भी उच्च न्यायालय कानूनी सहायता के जरिए किसी मामले का फैसला करे, तो समिति को इसकी सूचना भेजी जानी चाहिए, ताकि हारने वाला कोई पक्ष अगर न्यायालय जाना चाहे, तो पहले से जरूरी जानकारी और सहायता मिल सके।

कर्नाटक से जुड़े एक मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक दीवानी अदालत संशोधन अधिनियम, 2023' और कर्नाटक उच्च न्यायालय संशोधन अधिनियम, 2023' में हाल ही में किए गए संशोधनों ने उच्च न्यायालय से पहली अपील सुनने का अधिकार छीन लिया है। उन्होंने कहा कि संशोधित व्यवस्था के तहत, दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) द्वारा पारित निर्णय और डिक्री के खिलाफ अपील जिला अदालत में की जा सकती है, न कि उच्च न्यायालय में।

उपयोग की समयसीमा समाप्त होने के करीब वाली सॉस और पेय पदार्थ जब्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने शनिवार को बेंगलूरु में विशेष जांच अभियान के दौरान उपयोग की समय सीमा समाप्त होने के करीब पहुंच चुके लगभग 70 किलोग्राम सॉस और 10 लीटर पेय पदार्थ जब्त किया। ये खाद्य सामग्री रखने और बांटने वाली जगहों से मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यू. टी. खादर के निर्देश पर चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और नियम 2011 के प्रावधानों के तहत बेंगलूरु शहरी जिले और बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों में खाद्य कारोबार संचालकों की भंडारण एवं वितरण इकाइयों का निरीक्षण किया गया। विभाग ने एक बयान में बताया कि इस अभियान के लिए नामित अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की 30 टीमों का गठन कर उन्हें तैनात किया गया था। विभाग के मुताबिक, इन टीमों ने बेंगलूरु के विभिन्न हिस्सों में स्थित उन खाद्य भंडारण केंद्रों का निरीक्षण किया, जहां से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय होटलों तथा अन्य खानपान प्रतिष्ठानों को खाद्य सामग्री, मटन और मछली की आपूर्ति की जाती है।

कंपनी के प्रतिनिधि से मारपीट के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शनिवार तड़के अज्ञात लोगों के एक समूह ने कंपनी के प्रतिनिधि के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की और लकड़ी के डंडे से उसकी पिटाई की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान बसवराज (25) के रूप में हुई है। वह पढ़ाई करने के साथ-साथ एक त्वरित आपूर्ति सेवा मंच के लिए काम करता है। पुलिस के अनुसार, घटना तड़के करीब चार बजकर 40 मिनट पर हुई। उस समय सामान की आपूर्ति करने के बाद वह येलहंका न्यू टाउन के चौथे फेज से संतोष नगर की ओर जा रहा था। प्राथमिकी के अनुसार, जब वह सड़क से जा रहा था, तब वहां से गुजर रही कुछ लड़कियों ने कथित तौर पर उसे अपशब्द कहे। इसके बाद बसवराज ने लड़कियों से कहा कि उसे हिंदी नहीं आती और उसने उनसे कन्नड़ में यह बताने को कहा कि वे उसे क्यों गाली दे रही हैं। पीड़ित ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि लड़कियों ने उसे गालियां दीं, उसकी टोपी खींची और उस पर हमला करने की कोशिश की। इसके बाद उसने पुलिस हेल्पलाइन 112 और अपने परिचित अशोक को फोन कर घटना की जानकारी दी।

कुमारस्वामी ने लोगों से एनआईसीई रोड कॉरिडोर पर टोल न देने की अपील की

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को लोगों से यहां एनआईसीई रोड कॉरिडोर पर टोल नहीं देने की अपील की। जनता दल (एस) के नेता कुमारस्वामी ने 'नंदी इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइजेज' (एनआईसीई) मार्ग पर टोल वसूले जाने पर रोक लगाने के लिए 10 दिन की समयसीमा भी तय की। पार्टी शुरुआत से ही इस परियोजना का विरोध कर रही है और इसमें अनियमितता व धोखाधड़ी का आरोप लगाती रही है।कुमारस्वामी ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैं बेंगलूरु के लोगों से अपील करता हूं कि वे एनआईसीई रोड पर टोल देना बंद करें। हमने टोल के जरिए लोगों से पैसा वसूलने वाली सरकार को रोकने का फैसला किया है। हम एक सप्ताह या 10 दिन की समयसीमा दे रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जद (एस) और भाजपा दोनों के सदस्यों से कर्नाटक विधानसभा में इस मुद्दे को उठाने की अपील की है। एनआईसीई के अलावा, पार्टी ने एआई आधारित बिड़दी टाउनशिप परियोजना का भी विरोध करने का फैसला किया है। कुमारस्वामी ने कहा, 'अगर सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती है तो हम टोल वसूली रोकने के लिए आंदोलन शुरू करेंगे। मैंने लोगों से हाथ जोड़कर अपील की है कि वे आज से ही टोल का भुगतान न करें।'

अवैध प्रवासियों की समस्या से निपटने में कोई समझौता नहीं किया जाएगा : मंत्री प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश समेत अन्य देशों से आए अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए कड़ी और लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से निपटने में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों को कानून अपने हाथ में लेने और 'सोशल मीडिया एक्टिविज्म' के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ भी सख्ती कार्रवाई करेगी।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम सख्ती और गंभीरता से तलाश और सत्यापन कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि सरकार ने पिछले तीन महीनों में करीब 1,000 लोगों को पकड़ा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बेंगलूरु सिटी पुलिस ने शहर की विभिन्न झुग्गी बस्तियों में रह रहे अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया और खबरों के मुताबिक यहां अवैध रूप से रह रहे 40 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है।

खरगे ने कहा कि पकड़े गए लोगों में अफ्रीकी देशों के नागरिक, बांग्लादेशी और अन्य लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस मामले में किसी भी सूरत में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और एफआरओ अधिकारियों के संपर्क में है और लगातार निगरानी रखेगी। उन्होंने कहा,हम इस मुद्दे को 100 प्रतिशत गंभीरता से संभालेंगे। हमें लगातार सतर्क रहना होगा। ऐसा नहीं है कि हम एक-दो सप्ताह तक यह काम करें और फिर रोक दें। इसे लगातार जारी रखना होगा। जरूरत पड़ने पर हम इसके लिए एक विशेष टीम भी गठित कर रहे हैं।

खरगे ने कहा कि केंद्र को कर्नाटक की मदद करनी चाहिए क्योंकि राज्य की सीमा बांग्लादेश या किसी अन्य देश से नहीं लगती है। उन्होंने पूछा, ''अगर लोग देश में आ रहे हैं और आखिरकार यहां पहुंच रहे हैं, तो वे कहां से आ रहे हैं? क्या वे त्रिपुरा, असम, पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों या पश्चिम बंगाल से आ रहे हैं?'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा करना केंद्र की जिम्मेदारी है और सवाल उठाया कि अगर सीमाओं को प्रभावी ढंग से सुरक्षित किया जा रहा है, तो अवैध प्रवासी कर्नाटक कैसे पहुंच रहे हैं।

बेंगलूरु में बिडदी टाउनशिप परियोजना के खिलाफ प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर आयोजित भाजपा-जेडी(एस) समन्वय बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री व जेडी(एस) प्रदेश अध्यक्ष एच. डी. कुमारस्वामी, जेडी(एस) नेताओं तथा भाजपा नेताओं आर. अशोक, सी. सी. पाटिल और विधान परिषद सदस्य चलवादी नारायणस्वामी के साथ।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा-जद (एस) मिलकर बनाएंगे रणनीति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ विधानमंडल के भीतर और बाहर मिलकर रणनीति बनाने का शनिवार को फैसला किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा कि दोनों दल आगामी सत्र में बिदादी टाउनशिप समेत विभिन्न मुद्दे संयुक्त रूप से उठाएंगे। कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु दक्षिण जिले में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित बिदादी टाउनशिप परियोजना बनाने की घोषणा की है। भाजपा नेताओं और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व वाले जद(एस) के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक में यह फैसला किया गया। विपक्षी दल आगामी चुनावों से पहले सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ अपना अभियान तेज करने की तैयारी में हैं।अशोक ने कहा कि भाजपा और जद(एस) ने बिड़दी में जमीन अधिग्रहण के सरकार के कथित कदम और वहां रियल एस्टेट विकास की योजनाओं के खिलाफ संयुक्त रूप से संघर्ष करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''आज हमने बिडदी में भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ मिलकर लड़ने का फैसला किया।'' अशोक ने कहा कि भाजपा और जद(एस) विधानमंडल सत्र के दौरान होने वाले विरोध प्रदर्शनों में भी समन्वय करेंगे। उन्होंने कहा, हमने विधानसभा सत्र के दौरान फ्रीडम पार्क में संयुक्त प्रदर्शन करने का फैसला किया है। हम सदन के भीतर और बाहर, दोनों जगह इन मुद्दों को उठाएंगे।'' अशोक ने कहा कि जद(एस) ने बिड़दी टाउनशिप और कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) में कथित अनियमितताओं समेत अन्य मुद्दों को उठाने में भाजपा को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ''अब से हमने यह भी तय किया है कि कर्नाटक में होने वाले सभी बड़े आंदोलनों में दोनों दल साथ मिलकर काम करेंगे।'' अशोक ने कहा कि अगले दो-तीन दिन में दोनों दलों के नेताओं की एक राज्यस्तरीय समन्वय समिति गठित की जाएगी। उन्होंने बताया कि समिति में दोनों दलों से करीब पांच-पांच सदस्य हो सकते हैं और इसमें केंद्रीय मंत्रियों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम जिला स्तर पर भी संयुक्त रूप से आंदोलन करेंगे।'' अशोक ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता रविवार को बिड़दी में जद(एस) नेता निखिल कुमारस्वामी की 'पदयात्रा' में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कुमारस्वामी और अशोक समेत भाजपा तथा जद(एस) के नेता पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे पदयात्रा की शुरुआत में शामिल हो सकते हैं। निखिल को बेंगलूरु की सीमा तक पदयात्रा निकालने की अनुमति मिली है। पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र से जुड़े मुद्दे पर अशोक ने कहा कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है और विधानसभा सत्र शुरू होने के बाद विपक्षी नेता तय करेंगे कि किन मुद्दों को उठाया जाए। अशोक ने कहा कि विपक्षी नेता संयुक्त विधायक दल की बैठक बुलाने पर भी विचार कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है कृषि : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को कहा कि कृषि और इससे जुड़े व्यवसाय भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं और आज भी देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उदयपुर में 'एग्रीविजन' की संगोष्ठी में राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को केवल परंपरागत व्यवसाय के रूप में न देखें, बल्कि आधुनिक प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यमिता से जोड़कर इसे रोजगार और समृद्धि का सशक्त माध्यम बनाएं।

उन्होंने कहा, भारत की कृषि परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। मध्यकालीन भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव कृषि एवं इससे जुड़े व्यवसायों पर टिकी थी। समय के साथ कृषि तकनीकों में भी अनेक नवाचार हुए, जो भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रमाण हैं। उन्होंने युवाओं को परंपरागत कृषि आधारित व्यवसायों से जुड़ने और उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से नयी ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, नए उद्यम, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। युवा इन अवसरों को पहचानकर कृषि को उद्यमिता से जोड़ सकते हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, दो दिवसीय इस संगोष्ठी में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता के विकास में युवाओं की भूमिका को लेकर विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे।

राज्यपाल ने मेवाड़ की ऐतिहासिक एवं सामरिक महत्ता का उल्लेख करते हुए महाराणा प्रताप के संघर्ष और दूरदर्शिता को याद किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने न केवल आत्मगौरव और राष्ट्ररक्षा के लिए संघर्ष किया, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में कृषि और जनजीवन के उत्थान के लिए भी महत्वपूर्ण प्रयास किए।

उनका जीवन युवाओं को कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और नवाचार के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बागड़े ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक समृद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, महर्षि भार्गव, महर्षि पाराशर सहित अनेक ऋषि-मुनियों ने अपने प्रयोगों और अनुसंधानों के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिक परंपरा में प्रकृति, कृषि, गणित और खगोल विज्ञान से जुड़े अनेक ऐसे ज्ञान-विषय मौजूद रहे हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी गौरवशाली ज्ञान परंपरा को समझें और आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ उसका समन्वय करते हुए नए प्रयोग करें। इस अवसर पर बागड़े ने महाराणा प्रताप सभागार के बाहर संत रविदास के जीवन एवं विचारों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उसकी सराहना की।

राजस्थान में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून के फिर सक्रिय होने से राजस्थान में कई स्थानों पर तेज बारिश का दौर जारी है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह तक पिछले 24 घंटे के दौरान कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हुई। सबसे अधिक नौ सेंटीमीटर बारिश अलवर के थानागाजी और चुरू के सादुलपुर/राजगढ़ में दर्ज की गई।

इस दौरान दौसा और पिलानी में आठ सेंटीमीटर, कोटकासिम, डीडवाना और सुजानगढ़ में सात-सात सेंटीमीटर तथा झुंझुनू के भुहाना, मलसीसर और चिड़ावा एवं अलवर के बहरोड़ में पांच-पांच सेंटीमीटर बारिश हुई। राज्य की राजधानी जयपुर, भरतपुर, सीकर और बीकानेर सहित कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आगामी एक सप्ताह तक मानसून के सक्रिय रहने और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

आठ से 10 अगस्त के दौरान भरतपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान पूर्वी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में आठ से 10 अगस्त के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि, 15 अगस्त से राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

चारे और रोजगार के इंतजाम करे राज्य सरकार : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कमजोर मानसून पर चिंता जताते हुए सरकार से वैकल्पिक जल प्रबंधन, चारे, रोजगार और आपातकालीन इंतजाम की तैयारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर हालात में सुधार नहीं हुआ तो राज्य में पेयजल और सिंचाई का संकट गहरा सकता है। गहलोत ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि राजस्थान में कमजोर मानसून की स्थिति अब चिंताजनक हो गई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के 693 बांधों में से 246 पूरी तरह सूख चुके हैं जबकि केवल 15 बांध ही पूरी तरह भर पाए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जयपुर और अजमेर समेत चार जिलों की करीब 1.16 करोड़

आबादी की पेयजल जरूरतें पूरी करने वाले बीसलपुर बांध में इस बार एक इंच भी पानी नहीं आया है। गहलोत के अनुसार, 31 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 11 प्रतिशत कम बारिश हुई है और 23 जिलों में सूखे जैसे हालात बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने अगस्त और सितंबर में भी राहत के संकेत नहीं दिए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ऐसे संकट में सरकार को अभी से वैकल्पिक जल प्रबंधन, चारे, रोजगार और आपातकालीन इंतजामों की ठोस तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आने वाले दिनों में स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो पेयजल और सिंचाई का संकट विकराल रूप ले सकता है। गहलोत ने कहा कि इससे फसलों की पैदावार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिसके लिए सरकार को अभी से आवश्यक तैयारियां करनी चाहिए।

उन्होंने लोहावट कस्बे के जंभेश्वर नगर में भंवरी देवी विश्नोई की धारदार हथियार से हत्या और उनकी दो बेटियों पर हमले के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेता ने कहा, 11 दिन बाद भी हत्यारोपियों का पकड़ से बाहर होना गंभीर सवाल खड़ा करता है। क्या पुलिस प्रशासन नाकाम है या आरोपियों को कोई राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है?

ओम बिरला ने गोल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर अरुंधति को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अपने कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और स्टार बॉक्सर अरुंधति चौधरी से उनके घर पर मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में अरुंधति की शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें और उनके परिवार को सम्मानित किया। अरुंधति का प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार रहा। उन्होंने 70 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। दौरे के दौरान, ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर अरुंधति को बधाई दी और उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का, बल्कि पूरे कोटा-बूंदी क्षेत्र का मान बढ़ाया है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अरुंधति की सफलता युवाओं, खासकर उन बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और एथलीटों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक समर्थन और अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में सफलता के लिए बॉक्सर को बधाई देते हुए ओम बिरला ने कहा कि ऐसी उपलब्धियां भारत के युवाओं की क्षमता को दर्शाती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अरुंधति कड़ी मेहनत जारी रखेंगी और अपने खेल करियर में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगी। बिरला ने अरुंधति को पूरे समर्पण के साथ देश का प्रतिनिधित्व जारी रखने और भारत के साथ-साथ कोटा-बूंदी क्षेत्र का और नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अरुंधति और उनके परिवार को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनकी यात्रा और अधिक युवा एथलीटों को खेल अपनाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

ओम बिरला ने कहा कि दृढ़ संकल्प और उपलब्धि की कहानियां युवा पीढ़ी को चुनौतियों से पार पाने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेटियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए समान अवसर दिए जाने चाहिए। इस दौरे ने क्षेत्र की खेल उपलब्धियों को मिल रही बढ़ती पहचान और राजस्थान व देश का बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का समर्थन करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे। नेताओं ने अरुंधति को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके खेल करियर में निरंतर सफलता की कामना की। कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर, अरुंधति ने कोटा-बूंदी की खेल गाथा में एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ा है और पूरे क्षेत्र में उभरते एथलीटों के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

आज निकाली जाएगी राज्य स्तरीय तिरंगा रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली रविवार को जयपुर में होगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यस्तरीय तिरंगा रैली का नेतृत्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे।

यह तिरंगा रैली नौ अगस्त को सुबह 9.30 बजे न्यू गेट से सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक निकाली जाएगी। जयपुर के जिला कलेक्टर संदेश नायक ने इसकी तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बैठक की और निर्देश दिए कि तिरंगा रैली का आयोजन पूरी गरिमा, अनुशासन एवं उत्साह के साथ किया जाए। उन्होंने अभियान के तहत आयोजित सभी गतिविधियों में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने को भी कहा। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिपरिषद की शुक्रवार को हुई बैठक में भी हर घर तिरंगा अभियान को जन आंदोलन बनाने पर चर्चा की गई।

आधिकारिक बयान के अनुसार राष्ट्रभक्ति के इस महापर्व को राज्य में नौ से 17 अगस्त तक पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। अभियान में आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करते हुए घरों, स्कूलों, कॉलेजों तथा कार्यस्थलों पर तिरंगा फहराया जाएगा। वहीं, हर घर तिरंगा समारोह में वंदे मातरम का सामूहिक गायन भी किया जाएगा।

राजस्थान मंत्रिमंडल ने 'एक राज्य-एक चुनाव' के तहत पंचायत राज एवं नगरीय निकाय चुनाव को मंजूरी दी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान मंत्रिमंडल ने कई अहम नीतिगत फैसलों को मंज़ूरी दी, जिनमें नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के लिए 'एक राज्य, एक चुनाव' लागू करना और कृषि व औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने वाली नयी नीतियां शामिल हैं। इसके साथ ही सरकार ने राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग की सिफारिशें स्वीकार कर ली हैं। राज्य मंत्रिमंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में यह फैसले किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में किसानों की आय बढ़ा कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राजस्थान कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति-2026 व राजस्थान फूड पार्क विकास नीति-2026 को मंजूरी देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं श्रम सुधारों से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी। पटेल ने बताया कि प्रदेश में आगामी पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय चुनाव 'एक राज्य-एक चुनाव' की अवधारणा पर कराए जाने का निर्णय किया गया है।चुनाव अलग-अलग समय पर होने के कारण विकास कार्यों की गति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसाएं राज्य सरकार को मिल गई है। मंत्रिमंडल की बैठक में इन सिफारिशों को स्वीकार किए जाने के साथ ही नगरीय निकाय एवं पंचायत राज अधिनियम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का प्रावधान किए जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

पैरोल मिलने के बाद भी जेल में आसाराम, हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार से मांगा जवाब

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मिलने के बावजूद आसाराम को जेल से रिहा नहीं किया गया है। नाबालिग से यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की ओर से इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। कोर्ट ने अब राज्य सरकार से जवाब मांगा है कि पैरोल मंजूर होने के बाद भी उसे रिहा क्यों नहीं किया गया।चीफ जस्टिस की बेंच में हुई सुनवाईमामले की सुनवाई राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए इस पूरे मामले पर जवाब दाखिल करने को कहा है। अब सरकार को अदालत में यह स्पष्ट करना होगा कि हाईकोर्ट के पैरोल आदेश के बावजूद जेल प्रशासन ने आसाराम को रिहा क्यों नहीं किया।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 3 अगस्त को 20 दिन की पैरोल दी थी। वह फिलहाल जोधपुर के एक आयुर्वेद अस्पताल में इलाज करा रहा है। पैरोल मिलने के बाद भी जेल से रिहाई नहीं होने पर उसकी ओर से अदालत में याचिका दायर की गई। इससे पहले 6 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने खराब स्वास्थ्य के आधार पर आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि कोर्ट ने उसकी याचिका को लंबित रखा और कहा कि स्वास्थ्य की स्थिति बिगड़ने पर वह दोबारा अंतरिम जमानत के लिए अदालत का रुख कर सकता है।सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की मेडिकल स्थिति को लेकर -खखचड से विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसके स्वास्थ्य की 24 घंटे निगरानी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे चौबीसों घंटे सहायता के लिए अपनी पसंद का एक प्रशिक्षित केयरगिवर रखने की अनुमति भी दी है।सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोप लगाया कि आसाराम ने हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मांगते समय सुप्रीम कोर्ट में चल रही अंतरिम जमानत की कार्यवाही की जानकारी साझा नहीं की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी नाराजगी जताई थी।

अब राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य सवाल यही है कि जब 3 अगस्त को 20 दिन की पैरोल मंजूर हो चुकी थी, तो इसके बावजूद आसाराम को जेल से रिहा क्यों नहीं किया गया। सरकार के जवाब के बाद मामले की स्थिति साफ होगी।

रेल की चपेट में आने से युवक-युवती की मौत

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में शुक्रवार देर रात रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक ओर युवती की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि दोनों ने रेलगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार, पचपदरा थाना क्षेत्र में जानियाना गांव के पास शुक्रवार देर रात यह हादसा हुआ।

मजबूत पैरवी से जनहित के प्रकरणों का हो त्वरित निस्तारण : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था और सुलभ न्याय के माध्यम से आमजन में सरकार के प्रति विश्वास मजबूत होता है, जिससे प्रदेश में सुशासन की संकल्पना साकार होती है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजक न्यायिक प्रक्रिया में वो कड़ी है, जिसकी न्यायालयों में सरकार की पैरवी से लेकर अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर लोक अभियोजकों एवं विधि अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद एवं पीड़ित लोग न्याय की आस में आते हैं। ऐसे में संवेदनशीलता एवं सकारात्मक व्यवहार उनके मन में विश्वास को बढ़ाता है। लोक अभियोजकों को कानून के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले विधि अधिकारियों की रिटेनरशिप और एपीयरेंस फीस बढ़ाने का फैसला लिया है।

इसके साथ ही उनकी ड्राफ्टिंग एवं ओपिनियन फीस में भी वृद्धि करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि विधि अधिकारियों की समस्याओं के समाधान और उनके साथ नियमित संवाद के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ताओं को संभागवार जिम्मेदारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों में नियुक्त विधि अधिकारियों के पारिश्रमिक में अब तक दो बार वृद्धि की है। कार्यक्रम में लोक अभियोजकों एवं विधि अधिकारियों ने पारिश्रमिक एवं फीस में वृद्धि किए जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक अभियोजकों को वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव का लाभ उपलब्ध करवाने के लिए नियमित सेमिनार एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि प्रकरणों में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का सामूहिक चर्चा के माध्यम से समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि विभागों एवं जिला स्तर पर भी उच्चाधिकारियों के साथ समन्वय एवं संवाद की व्यवस्था मजबूत की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में प्रकरणों के वर्षों से लंबित रहने से परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है तथा इसके क्रियान्वयन में विलंब होता है। ऐसे में जनहित से जुड़े प्रकरणों की पहचान कर उनके शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले एवं विभागों में ऐसे प्रकरणों की सूची तैयार की जाए तथा इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 14 जिला एवं सेशन न्यायालय, 2 अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, 8 सीजेएम, 8 एसीजेएम सहित एसीबी, पॉक्सो, एन.आई., एनडीपीएस और वाणिज्यिक न्यायालय सृजित किए हैं। साथ ही, राज्य सरकार ने राजस्थान उच्च न्यायालय में 10 अतिरिक्त महाधिवक्ता, 9 एजीसी एवं 2 विशिष्ट लोक अभियोजक के नए पदों का भी सृजन किया है। नवीन अतिरिक्त महाधिवक्ताओं के कार्यालयों के लिए मंत्रालयिक संवर्ग के कुल 40 नवीन पद सृजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लोक अभियोजक, विशिष्ट लोक अभियोजक एवं अपर लोक अभियोजक के 76, अधीनस्थ कार्यालयों में मंत्रालयिक संवर्ग के 109 तथा होमगार्ड के 77 नवीन पद सृजित किए हैं। इसके अलावा लोक अभियोजकों के कार्य को सुगम बनाने के लिए कार्यालयों की स्थापना के साथ ही कम्प्यूटर, अधीनस्थ स्टाफ जैसी सुविधाओं पर भी काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मेरठ में कांवड़ियों पर की पुष्पवर्षा, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और देवाधिदेव महादेव से प्रदेश और देश में सुख, शांति, समृद्धि एवं सौहार्द की कामना की।

मेरठ के मोदीपुरम क्षेत्र में दुल्हेड़ा पुलिस चौकी के निकट बनाए गए मंच से योगी आदित्यनाथ ने 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों के बीच कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर उनके साथ रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। गोविल, मेरठ से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भी हैं। योगी ने अपने संबोधन में कहा, सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक और धार्मिक संगठनों का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ कांवड़ियों की सुविधाओं का ध्यान रखा है। सावन में कांवड़ यात्रा का हिस्सा बन रहे सभी शिवभक्तों का अभिनंदन करता हूं और उनकी इस यात्रा के लिए देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना करता हूं कि वे उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश और देश में सुख, शांति, समृद्धि और सौहार्द का माहौल बनाने के लिए देवाधिदेव महादेव की कृपा बनी रहे, इसी भावना के साथ आज मुझे भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा अपने समापन की ओर बढ़ रही है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर शिवभक्त अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हुए विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि सावन की शिवरात्रि तक गाजियाबाद से लेकर हरिद्वार के बीच चार से साढ़े चार करोड़ श्रद्धालु और शिवभक्त इस कांवड़ यात्रा में गंगाजल लेकर शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, आज मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर भारी भीड़ है। अभी मेरठ में मुझे शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करने का अवसर मिला है। मेरठ के हमारे सभी जनप्रतिनिधि इस अवसर पर मेरे साथ यहां मौजूद हैं। मेरठ के प्रसिद्ध बाबा औघड़नाथ मंदिर, गाजियाबाद के बाबा दूधेश्वरनाथ मंदिर और बागपत के पुरा महादेव मंदिर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आने वाले शिवभक्त इस यात्रा का हिस्सा बने हुए हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में सीखने वाले ही जीतते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया और प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है, ऐसे में वही लोग आगे बढ़ेंगे जो लगातार सीखते रहेंगे। मोदी ने छात्रों से अपनी जिज्ञासा बनाए रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिनमें नए समाधान खोजने का साहस होता है, उनके लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाती हैं।

उन्होंने कहा, आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कोई नहीं कह सकता कि 20-30 साल बाद क्या होगा। जिंदगी में अपनी जिज्ञासा बनाए रखें... सीखने की इच्छा को जिंदा रखें। जो सीखते हैं, वही जीतते हैं। मोदी ने कहा कि ''जो लोग नई स्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को अवसरों में बदल देते हैं और यही बात आपने आईआईटी दिल्ली में सीखी है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''आज देश में हमारे युवाओं के लिए नए-नए क्षेत्र उभर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि दुनिया में शक्ति का संतुलन हर पल बदल रहा है और इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की गति है।

मोदी ने कहा कि आईआईटी दिल्ली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कुछ नई पहल भी शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए भी मैं आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने सेमीकंडक्टर क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि जब सरकार ने इस दिशा में कदम उठाए, तो कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या भारत ऐसा कर पाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन आज पहली सेमीकंडक्टर इकाई में उत्पादन शुरू हो गया है। मुझे पूरा भरोसा है कि चिप से लेकर पोतों तक, सब कुछ यहीं आपके हाथों से बनेगा। दीक्षांत समारोह में 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से अधिक छात्रों को डिग्रियां दी गईं।

झारखंड भर्ती परीक्षा विवाद : आइसा ने रांची में प्रदर्शन स्थल पर अलग मंच बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर अपना आंदोलन तेज करने के लिए ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के सदस्यों ने शनिवार को रांची स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में एक अलग मंच बनाया।

आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा स्टेडियम में कुछ देर के लिए विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुईं और 14वीं जेपीएससी तथा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षाओं को रद्द करने की मांग करते हुए नारे लगाए। नेहा पर शुक्रवार को राज्य विधानसभा की ओर विरोध मार्च के दौरान बिरसा चौक के पास कथित तौर पर स्याही फेंकी गई थी। आइसा के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के साथ ही अभ्यर्थियों की मांगों पर कार्रवाई की मांग को लेकर स्टेडियम में आंदोलन कर रहे मंचों की संख्या बढ़कर तीन हो गई।

'जे पीएससी-जे एसएससी रिफॉर्म मंच' और जेपीएससी-जेएसएससी कैंडिडेट्स फोरम' 25 जुलाई से ही स्टेडियम में विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने लोगों से रक्तदान करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लोगों से रक्तदान करने की अपील की और इसे एक अनुष्ठान तथा भाईचारे को मजबूत करने का ''पवित्र तरीका'' बताया। नवीन ने कहा कि इस अभियान में नई पीढ़ी की भागीदारी एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने नई पीढ़ी को देश का भविष्य बताया और उनसे नशा छोड़ने तथा रक्तदान करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। भाजपा अध्यक्ष ने मानेसर के पास भोरा कलां स्थित 'ओम शांति रिट्रीट सेंटर' में ये बातें कहीं, जहां वह ब्रह्माकुमारी संस्थान के समाज सेवा विभाग द्वारा आयोजित 'रक्तदान महा अभियान' की शुरुआत के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नवीन ने ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन मुश्किल हालात में भी शांत मन रखकर बड़े लक्ष्य हासिल करने की दिशा में एक प्रेरणादायक स्तंभ के रूप में काम कर रहा है। समारोह के दौरान भारतीय संस्कृति और योग के वैश्विक प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन योग पद्धति ने सीमाओं को पार कर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है।

कांवड़ियों पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले की पुलिस ने कांवड़ियों पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में धार्मिक नेता एवं 'ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन' के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सिद्धार्थ मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया कि हिंदू कार्यकर्ता नरेंद्र पवार की शिकायत पर दिल्ली निवासी मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। हिंदू संघर्ष समिति के प्रभारी नरेंद्र पवार की शिकायत के अनुसार, मौलाना साजिद रशीदी ने कांवड़ियों के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे धर्म का अपमान हुआ और हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं। मामले को लेकर नरेंद्र पवार के नेतृत्व में हिंदू कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और मौलाना साजिद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मौलाना साजिद के कथित बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान सामाजिक सद्भाव के लिए हानिकारक है। अग्रवाल ने मौलाना साजिद के बारे में कहा कि उन्होंने अपना ''मानसिक संतुलन'' खो दिया है और उन्हें आगरा के मानसिक चिकित्सालय भेज दिया जाना चाहिए।

दहेज हत्या साबित करने के लिए पति से मौत का सीधा संबंध साबित करना जरूरी नहीं : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने कहा कि विवाह के सात वर्ष के भीतर किसी विवाहित महिला की ससुराल में असामान्य परिस्थितियों में मौत होना और मौत से ठीक पहले दहेज की मांग को लेकर क्रूरता या उत्पीड़न के साबित होने के मामले में दहेज हत्या की कानूनी धारणा बनती है।

अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में पति या ससुराल वालों का महिला की मौत से सीधा संबंध साबित करने वाला प्रत्यक्ष साक्ष्य होना जरूरी नहीं है।

पीठ ने यह टिप्पणी दहेज हत्या के एक मामले में पति संदीप सिंह होरा की उम्रकैद की सजा घटाकर 10 वर्ष के कठोर कारावास में बदलते हुए की। तालकटोरा थाना क्षेत्र में वर्ष 2010 में हुई इस घटना के मामले में अधीनस्थ न्यायालय ने वर्ष 2018 में होरा को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। होरा ने इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। न्यायमूर्ति अब्दुल मुईन और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की पीठ ने दहेज हत्या के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304-बी के तहत उसकी दोषसिद्धि बरकरार रखी लेकिन मामले के तथ्यों को देखते हुए उम्रकैद की अधिकतम सजा को उचित नहीं माना।

पीठ ने कहा कि महिला की ससुराल में असामान्य परिस्थितियों में मौत हुई थी और मुकदमे के दौरान दहेज की मांग को लेकर उसके साथ क्रूरता किए जाने की बात साबित हुई। पीठ ने कहा कि धारा 304-बी की आवश्यक शर्तें पूरी होने पर कानून दहेज हत्या का मुकदमा बनता है और ऐसे में अभियुक्त का महिला की मौत से सीधा संबंध दर्शाने वाला प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं होने मात्र से दहेज हत्या का अपराध समाप्त नहीं हो जाता।

मानव तस्करी को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत काम कर रही बिहार सरकार : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार मानव तस्करी को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत काम कर रही है। लापता बच्चों और मानव तस्करी पर आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन एवं परामर्श कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि उनकी सरकार मानव तस्करी के शिकार लोगों को प्राथमिकता के आधार पर समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। चौधरी ने कहा, बिहार सरकार मानव तस्करी को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत काम कर रही है। तस्करी रोकने के साथ-साथ पीड़ितों को सुरक्षित माहौल देना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना सरकार की प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि नया सवेरा 3.0 अभियान के माध्यम से जागरूकता फैलाने, मानव तस्करी को रोकने, मानव तस्करी और बाल मजदूरी के पीड़ितों को बचाने और उनका पुनर्वास करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चौधरी ने कहा कि उन्हें कौशल, रोजगार और सम्मान दिलाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 'नया सवेरा' अभियान के तीन चरण के तहत कुल 158 प्राथमिकी दर्ज की गईं, 275 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 693 पीड़ितों को सफलतापूर्वक बचाया गया। पुलिस ने बताया कि बचाए गए लोगों में 322 महिलाएं (106 वयस्क व 216 नाबालिग) तथा 371 पुरुष (26 वयस्क और 345 नाबालिग) शामिल हैं।

''ब्राह्मणों के उत्पीड़न'' के आरोप पर पाठक का अखिलेश पर पलटवार, कहा : हितैषी होने का स्वांग न रचें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा ''ब्राह्मणों को निशाना बनाए जाने'' संबंधी अखिलेश यादव की टिप्पणी पर शनिवार को पलटवार किया और कहा कि सपा प्रमुख ब्राह्मण समाज का हितैषी होने का ''स्वांग'' रच रहे हैं।

पाठक ने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं लेकिन तथ्यों का जवाब तथ्यों से दिया जाना चाहिए, न कि भ्रम, कटुता और निराधार आरोपों से। उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को संबोधित एक 'लंबी पोस्ट' में कहा, ''राजनीति में विचारों का उत्तर विचारों से दिया जाता है, व्यक्तिगत कटुता और असत्य आरोपों से नहीं।'' उप मुख्यमंत्री ने समाजवादी चिंतक और नेता दिवंगत डॉ. राममनोहर लोहिया का जिक्र करते हुए सपा पर परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, ''डॉ. लोहिया परिवारवाद के सबसे बड़े विरोधी थे। वह कहते थे, 'जो परिवार से सटेगा, वह समाज से कटेगा।' उनका मानना था कि जब परिवार सबसे शक्तिशाली हो जाता है, तब समाज कमजोर हो जाता है।'' पाठक ने कहा, ''आज जो लोग लोहिया के नाम पर राजनीति करते हैं, उन्होंने उनके विचारों को सबसे पहले त्यागा है। लोहिया यदि आज होते, तो परिवारवाद को राजनीति का आधार बनाने वालों को कठोर सवालों के कटघरे में सबसे पहले खड़ा करते।'' इससे पहले, अखिलेश यादव ने दिवंगत समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सपा के 'प्रबुद्ध सम्मेलन' (ब्राह्मण सम्मेलन) में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ब्राह्मणों के उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पाठक ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा, आप आज ब्राह्मण समाज के हितैषी होने का स्वांग रच रहे हैं, जबकि आपके मुख से मिश्राजी कुछ तो शर्म करो' जैसा वाक्य और पत्रकारों की जाति पूछना समाज की छाती में आज भी बरछी की तरह चुभता है। आपका पूरा राजनीतिक विमर्श एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा कि समाज का उत्थान किसी एक परिवार को सत्ता दिलाने से नहीं, बल्कि हर वर्ग को समान अवसर, न्याय और सम्मान देने से होता है। पाठक ने कहा, ''जहां तक मेरे सार्वजनिक जीवन का सवाल है, उसका मूल्यांकन जनता करती है। मैंने संगठन, संविधान और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। व्यक्तिगत आरोप, अपशब्द और दुष्प्रचार न सत्य बदल सकते हैं और न ही जनता का विश्वास।''

विदेश जाने की अनुमति न देने के आदेश के खिलाफ अभिषेक उच्चतम न्यायालय पहुंचे

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अभिषेक बनर्जी की वह याचिका बुधवार को खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा था कि डायमंड हार्बर के सांसद अपनी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कराने के लिए अगले दिन सरकारी एसएसकेएम (सेठ सुखलाल करनानी मेमोरियल) अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के समक्ष पेश होने को तैयार नहीं थे। उच्च न्यायालय ने उनकी अर्जी खारिज करते हुए कहा था, याचिकाकर्ता (बनर्जी) ने कहा कि वह कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के समक्ष पेश नहीं होंगे और इसके मद्देनजर अदालत का मानना है कि इस याचिका के जरिये उठाए गए मामले को अब और लंबित रखने की आवश्यकता नहीं है।

पीयूष मिश्रा ने रांची में आंदोलनकारी अभ्यर्थियों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। गायक-अभिनेता पीयूष मिश्रा ने झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से शनिवार को मुलाकात की और उन्हें अपना समर्थन दिया। मिश्रा रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे, जहां सरकारी नौकरी के अभ्यर्थी पिछले दो सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह आंदोलन का समर्थन करते हैं, क्योंकि वे बिना किसी राजनीतिक भागीदारी के इसे जारी रखे हुए हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा, मेरी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और मेरी ओर से जितना भी संभव होगा, मैं आपका समर्थन करूंगा। उन्होंने राज्य सरकार से प्रदर्शनकारियों की मांगों पर विचार करने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया। मिश्रा ने अपना लोकप्रिय गीत 'आरंभ है प्रचंड' भी गाया। बाद में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन और रांची के प्रदर्शन को अलग-अलग नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, दिल्ली के प्रदर्शन में पूरे भारत के युवाओं ने हिस्सा लिया था। झारखंड भी देश का हिस्सा है और यहां के प्रदर्शन को अलग नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि सभी को इस बारे में बात करनी चाहिए। आंदोलन के एक नेता ने कहा कि मिश्रा के आने से उन्हें नया उत्साह मिला है।

मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने को लेकर दो सांसदों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के दो सांसदों ने शनिवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने को लेकर चिंता जताई। राज्य सचिवालय नबान्न में बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद अबू ताहिर खान ने आरोप लगाया कि राज्य में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। खान ने कहा, मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बंगाल में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। कृपया इसे रोका जाए। हमें नमाज अदा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। खान के साथ जंगीपुर के सांसद खलीलुर रहमान भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा, अदालत के निर्देशों का निश्चित रूप से पालन किया जाना चाहिए, लेकिन मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाना सही नहीं है। हमने सरकार से इस मामले पर गौर करने का अनुरोध किया है। साल 2024 में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर मुर्शिदाबाद से दूसरी बार चुनाव जीतने वाले खान ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर जरूरत से ज्यादा सक्रिय हो रही है। उन्होंने कहा, हमने मुख्यमंत्री से मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की कार्रवाई रोकने की अपील की है। दोनों सांसदों ने मुस्लिम बहुल जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) न्यायाधिकरणों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों को लेकर भी मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की।

खान ने कहा, कई वास्तविक मतदाता, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, वे न्यायाधिकरण के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। देरी के कारण पासपोर्ट सत्यापन, जमीन का पंजीकरण और सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कतें आ रही हैं। हमने राज्य सरकार से सुनवाई में तेजी लाने और प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी करने का अनुरोध किया है। बृहस्पतिवार को खान, रहमान और मुर्शिदाबाद जिले के एक अन्य सांसद यूसुफ पठान ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और राज्य में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने का मुद्दा उठाया था।

अगर केंद्र सरकार सही है तो छात्रों के आंदोलन पर संसद में बहस कराए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हल्द्वानी/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि अगर वे सही है तो छात्रों के आंदोलन के मुद्दे पर संसद में बहस कराएं।

खरगे ने यहां रामलीला मैदान से पार्टी के चुनावी अभियान का विजय 'शंखनाद' करते हुए कहा कि बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने से छात्र परेशान हैं और जब वे अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर आंदोलन करते हैं तो उनके साथ दमनात्मक रवैया अपनाया जाता है। उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। खरगे ने यह भी कहा कि संसद में विपक्ष ने नहीं बल्कि खुद सरकार ने सदन को चलने नहीं दिया। उन्होंने कहा, मोदी जी, तुमसे और तुम्हारे शाह से नहीं डरते। 56 इंच की छाती सिकुड़ गई क्या? विद्यार्थियों से बात नहीं कर सकते क्या? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता किसी दबाव से डरने वाले नहीं हैं और पार्टी संविधान, लोकतंत्र, गरीबों, महिलाओं और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पदयात्रा की। खरगे ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 में हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया था। उन्होंने सवाल किया कि युवाओं को कितनी नौकरियां मिलीं?

खरगे ने दावा किया, देश में करीब 30 लाख सरकारी पद रिक्त हैं लेकिन उन्हें भरा नहीं जा रहा। ऐसे में विकसित भारत की बात कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास रोजगार और विकास को लेकर विजन और योजना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने वादा किया कि कांग्रेस सत्ता में आई तो योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था को मजबूत करेगी। उन्होंने उत्तराखंड के युवाओं को होनहार बताते हुए अल्मोड़ा के युवा आविष्कारक रवि टम्टा का भी जिक्र किया और कहा कि उन्होंने अपने दम पर उड़ने वाली कार तैयार की है। खरगे ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजने की बात करने के बाद भाजपा उन्हीं आरोपों से घिरे नेताओं को शामिल कर लेती है।

सुविचार

बड़े सपने देखिए, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए कार्य भी कीजिए।संकल्प मजबूत रखें, मेहनत जारी रखें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

ट्वीट

हिमाचल प्रदेश के चंबा ज़िले के बैरागढ़ इलाके के पास हुए दुखद बस हादसे में लोगों की मौत की खबर बहुत दिल दहला देने वाली है।ङ्कङ्कभगवान दिवंगत आत्माओं को अपने पवित्र चरणों में जगह दें और दुखी परिवारों को यह बहुत बड़ा दुख सहने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

बूंदी संसदीय क्षेत्र में करीब 100 करोड़ रुपये के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने का मौका मिला। बूंदी हाड़ौती की शान है और अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए देश और दुनिया में एक अलग पहचान रखने वाला शहर है।

-ओम बिरला

कहानी

मदर मेरी

कमल कुमार

खिड़की के उस तरफ कुर्सी पर बैठा व्यक्ति वैसे ही ठंडे और निसंग-भाव से कागजों को उलट-पलट रहा था। इस कॉलम में बच्चे के पिता का यानि अपने पति का नाम भरिए।

'इसकी जरूरत नहीं है।' स्त्री ने तल्खी से कहा था।

मैम, यहाँ कॉलम है न बच्चे के पिता के नाम का। तो? बच्चे के पिता का नाम तो होना ही चाहिए। आप यहाँ इस कॉलम में बच्चे के पिता का नाम भरिए।

देखिए, मेरा तलाक हो चुका है, वह भी दस साल पहले। मुझे अब उससे कुछ लेना-देना नहीं। इसमें तलाक का कागज भी है। आप मेरे कागज प्रोसेस कीजिए।

आपको बताया न मैम। इस कॉलम में पिता का नाम भरिए। उसके दस्तखत भी चाहिए। क्यों? क्यों चाहिए उसके दस्तखत।

बच्चे का बाप है। अगर आप बच्चे को लेकर विदेश में रह जाएँ तो...।

मैं कहीं भी रह सकती हूँ बच्चे के साथ। बच्चा मेरा है। इसकी कस्टडी के कागज हैं। अब हमें उससे कुछ लेना-देना नहीं।

आपको कुछ नहीं लेना, पर अपने बच्चों का पासपोर्ट तो लेना है। ये लीजिए मैम अपने कागज पूरे कीजिए।

मेरे सारे कागज पूरे हैं। वह उसे कागजों का ब्यौरा दे रही थी।

आप हमारा समय बर्बाद कर रही हैं। जाइए, आप ऊपर जाकर पासपोर्ट अफसर से बात कर लीजिए।

बेबस उसने अपने कागज समेटे थे। वह मुड़ी तो देखा, वही कल वाली लड़की थी, उसके पीछे लाइन में खड़ी थी।

वह जाने लगी तो उस लड़की ने रोककर पूछा था, आप पासपोर्ट अफसर से मिलने जा रही हैं। वह बिना उसकी बात का जवाब दिए, वहाँ से खिसक गई थी।

ऊपर गई थी। पासपोर्ट अफसर अपने कमरे में नहीं था।

'मीटिंग में हैं सॉब! आप बैठिए। आ जाएँगे।' लड़के ने कहा था। उसने घड़ी देखी थी। अभी आध-पौने घंटे में लंच हो जाएगा। वह बेचैन-सी उठकर बाहर बरामदे में घूमने लगी थी। वही व्यक्ति था, 'आप उन्हें ऊपर देख लीजिए। शायद वहाँ हों।'

वह ऊपर गई थी। चौथी मंजिल थी। लिफ्ट का कुछ पता नहीं था। उसने देखा बरामदे के कोने में दो व्यक्ति ताश खेलने में डूबे हुए थे। उसने पूछा था तो पता चला था, इन्हीं में से एक पासपोर्ट अफसर था। वह पास गई थी - एक्सक्यूज मी सर।

कोई असर नहीं हुआ था। 'सर एक्सक्यूज मी।' उसने बड़ी कठिनाई से ताश के पत्तों से नजरें हटाई थीं। उसने अपना कार्ड दिया था, 'आई एम फ्राम मीडिया न्यूज', उसने अपना कार्ड उसकी तरफ बढ़ाया था, 'आई एम स्पेशल कारसपोंडेंटा आई एम लीविंग इंडीपेंडेंटली। मैंने उससे कोई मैनटेनस नहीं ली है। दस साल से मैं ही बच्चे को पाल रही हूँ। यह बच्चा तीन महीने का था, तब मैंने उसका घर छोड़ दिया था। आपका स्टाफ मुझे तंग कर रहा है।ऐसी बात नहीं है मैम। कुछ औपचारिकताएँ होती हैं। उन्हें पूरा करना पड़ता है। आप तो जानती हैं कि व्यवस्था ही ऐसी है। आप एक काम कीजिए मैम। जिस सांसद ने आपके कागज प्रमाणित किए हैं, उनसे एक रेफरेंस लैटर ले आइए। बस फिर हो जाएगा काम। सॉरी मैम, फार द बोदरेशन...। मजबूर-सी वह बाहर आई थी। उसने देखा, वही लड़की थी। वह कमरे से बाहर आई तो वह अंदर चली गई। उसकी चीखती-सी आवाज आई थी - क्यों चाहिए पिता का नाम? उफ। उसने अपना माथा पकड़ लिया था। फिर नीचे आ गई थी। उसको लगा था, चिट्ठी लेने में मुश्किल नहीं होगी। वह सांसद उसकी सहेली की आंटी थी।

उसने सांसद के पी.ए. को फोन किया था। पी.ए. ने कहा था, अभी बात करके पाँच मिनट में फोन करता हूँ।

फोन आया था, आ जाइए। वह वहाँ गई थी। प्रवेशद्वार पर सूचना आ गई थी। वहीं से सीधी पार्किंग में गाड़ी लगाकर ऊपर चली गई थी। पी.ए. ने उसका स्वागत किया था। फोन करके उसे सांसद के कमरे में ले गया था। वह सांसद कुर्सी पर बैठी थी, उसे देखकर उचकी थी, आओ, आओ। परेशान न हो। पी.ए. ने मुझे सब बता दिया है। हमारी व्यवस्था ही ऐसी है। वह चिट्ठी ड्राफ्ट करके तुम्हें दिखा देता है। अच्छा, क्या लोगी? चाय, कॉफी या कुछ ठंडा? आप इस सबकी चिंता ना करें।

'अरे भई, तुम्हारे साथ भी कॉफी ली लेंगे। मैं मँगवाती हूँ।' उसने दो कॉफी का आर्डर दिया था। या तो तुम घर पर आती नहीं हो, आती हो तो ऐसा समय चुनकर जब मैं घर पर ना हूँ।'

ओ-ऽ नो-ऽ आंटी। वह ठहाका लगाकर हँसी थी। वह चिट्ठी लेकर आ गया था। उसने दस्तखत करके अपनी मोहर लगाई थी।

'होप! थिंग्स विल बी ओ-ऽ के-ऽ नाउ।' वह शुक्रिया करके बाहर आई थी। तुरंत गाड़ी में बैठकर पासपोर्ट दफ्तर आई थी। वह चिट्ठी लेकर काउंटर पर गई थी। उसने घड़ी देखी, ज्यादा समय नहीं लगा था। कुल मिलाकर डेढ़ घंटे में सब हो गया था। उसने देखा, काउंटर पर सीट खाली थी। उसने साथ वाले व्यक्ति से पूछा था, 'अभी आ रहा है। आप बैठिए।'

'पर भैया लंच का समय तो कब का खत्म हो गया है।'

'वह लंच से वापिस आ गया था मैम। वह ऊपर गया है। साहब ने बुलाया है।'

वह वहीं खड़ी रही थी। तनाव में थी। पर वह जल्दी ही आ गया था। उसने उसे चिट्ठी दी थी।

'यह लीजिए। अब जल्दी ही मेरा पासपोर्ट बन जाना चाहिए।'

'मैम, आप जरा ऊपर चली जाइए। साहब के पास। उन्होंने ही यह चिट्ठी माँगी थी। वे ही लिखकर देंगे इस पर। हम तो कुछ नहीं कर सकते।'

उसने गुस्से में दाँत किट-किटाए थे। 'मैं ऊपर-नीचे कहीं नहीं जाऊँगी। आपके बीच स्टाफ में कोई कॉर्डीनेशन नहीं है। आपका अफसर कुछ कह रहा है और आप कुछ दूसरी बात कह रहे हैं।'

ठीक है मैम। आप यह चिट्ठी भी छोड़ जाइए। दूसरे सारे कागज भी दे दीजिए। मैम अपने पुराने पासपोर्ट की कॉपी भी दे दीजिए। उसने कॉपी दी थी। 'जी मैम। इसमें तो बच्चे के पिता का नाम है।' यह तलाक से पहले का पासपोर्ट है। ठीक है मैम। आप कल आ जाइए। गुस्से में वह तिलमिलाई थी। पर अपने को रोका था। अब सारी औपचारिकता पूरी हो चुकी है। पासपोर्ट लेने तो कल आना ही पड़ेगा।वह बाहर आने के लिए मुड़ी तो देखा वही लड़की थी। थोड़ी अस्त-व्यस्त लगी थी। घुटनों पर फाइल रखकर कुर्सी पर बैठी कागज अलट-पलट रही थी।

उसे देखकर वह उचकी थी। 'मैम...' उसने पुकारा था। 'आपका काम हो गया।'रेफरेंस की चिट्ठी दी है। कल आने के लिए कहा है।

'जी-ऽ' वह फिर उसी मुद्रा में बैठ गई थी। और कहा था, मैम मैंने तो रेफरेंस की चिट्ठी भी दी है। पर यह लोग परेशान कर रहे हैं। उसने सिर हिलाया था। जाकर बैठ गई थी।

अगले दिन वह पहुँची थी। भीड़ उतनी नहीं थी। वह लाइन में खड़ी हो गई थी। जल्दी ही उसका नंबर भी आ गया था। काउंटर पर बैठे आदमी ने कहा था, 'मैम आप पहले उस सामने वाले काउंटर नं. 2 पर फीस जमा करा दीजिए।'

वह काउंटर-2 पर गई थी, उसने फीस जमा कराई थी। लौटकर वहीं आ गई थी।

देखा, वही लड़की थी, चंडी का रूप धारण किए थे, वह दहाड़ी थी, 'क्यों चाहिए आपको पिता का नाम?'

मैम आपका बच्चा है तो पिता का नाम तो चाहिए ही होता है।

'इसका कोई पिता नहीं है। मेरा कोई पति नहीं है। मेरी शादी नहीं हुई है। समझे आप! पाँच दिनों से आप एक ही रट लगाए हो, पिता का नाम! पिता का नाम!

नहीं है इसका कोई पिता। उसने पैर पटके थे और जोर से चीखी थी, 'आइ एम रेप विक्टम। गैंग रेप हुआ था। मेरा गैंग रेप हुआ था!! चार लोगों ने रेप किया था मेरा। पंद्रह साल की थी। स्कूल बस में रेप किया था चार लोगों ने। नाम बताऊँ, लिखिए, बस का ड्राइवर मानक चंद, बस का कंडक्टर पांडे, स्कूल का चपरासी यादव और स्कूल के सामने ढाबे का मालिक सतबीर!

लिखिए पिता का नाम लिखिए। मुझे भी बता दीजिए। लिखिए पिता का नाम, लिखते क्यों नहीं, मेरी तरफ क्यों देख रहे हो? पूरी लॉबी में सन्नाटा छा गया था। लोग अपना काम छोड़कर अपनी-अपनी जगह जम गए थे। वह दुगुने जोर से चीखी थी, जाइए, इसके पिता से दस्तखत करवा लीजिए। कस्बे में जाइए। हो सकता है, वे अभी भी छुट्टा साँड़ की तरह घूम रहे हों। जाइए आप, किसके दस्तखत करवाएँगे। बोलिए...। वह चीखी थी।

और कुछ चाहिए। कोई और सूचना चाहिए। लिखिए पिता का नाम लिखिए आप। साँप क्यों सूँघ गया आपको...? चुप क्यों हो गए आप?

ऐसा लग रहा था जैसे गोलियाँ चल रही हों, ठाँय-ठाँय-ठाँय। सब सहमे से अपनी जगह चिपक गए थे। वह लड़की लड़खड़ाई थी। उसके साथ बैठी महिला उठकर आ गई थी, उसे सँभाला था। गले से लगाया था, शांत होजा मीनू-ऽ, शांत हो जा बच्ची-ऽ। अपने को सँभाल। तू तो बहादुर बच्ची है न!

वह उसके पास आ गई थी। वह लड़की बोली थी, पाँच दिनों से देख रही हूँ आप भी परेशान हैं। आपकी भी समस्या पिता के नाम की है।

मैं पंद्रह साल की थी, जब यह हादसा हुआ था। मेरे माता-पिता मुझे लेकर यहाँ आ गए थे। मेरा अबार्शन नहीं हो सका था। ट्रामा में रही कई महीने, अनीमिक थी। बच्चा पैदा हुआ। इसको मरवाया जा सकता था। एक विकल्प यह भी था। इसको अनाथ आश्रम में दिया जा सकता था। फिर मैंने सोचा था, इसमें इस अबोध का क्या कसूर। यह तो निष्पाप है। इसने तो ऐसा कुछ नहीं किया जिसकी इसे सजा दी जा सके। आखिर मेरे खून, मांस-मज्जा से बना है। मेरी कोख से पला है। मैंने इसे स्वीकार लिया था। अब बताइए, इनको क्यों चाहिए बच्चे के पिता का नाम?

अचानक वह उठी थी। काउंटर पर बैठे व्यक्ति को ललकारा था, पाँच मिनट में पासपोट चाहिए मुझे...।

धीरे-धीरे कठपुतलियों से लोग हिलने-डुलने लगे थे। काउंटर पर बैठे व्यक्ति ने उसकी ओर इशारा किया था, 'मैम अपना पासपोर्ट ले लीजिए।'

वह गई थी, अपना पासपोर्ट ले लिया था। उसने उसे खोला था और एकाएक चीखी थी, 'यह क्या किया?' बच्चे के नाम के सामने पिता का नाम लिखा था।

वह व्यक्ति घबराया-सा था, दी गई सूचनाओं के आधार पर बच्चे का और आपका पासपोर्ट रिन्यू कर दिया है।

आप पागल हो गए हैं?

यह सरकारी मामला है मैम।

अगला, आप आइए...।

लाइन से निकलकर पीछे खड़ा आदमी सामने आ गया था।

सामने वह लड़की गुर्राती हुई बैठी थी। काउंटर पर वह आदमी कभी कागज पलटता, कभी उस लड़की को देखता हक्का-बक्का बैठा था।

उसने देखा सब पुरुषों के चेहरों पर उस लड़की की दागी गई गोलियों के गहरे नीले-काले निशान पड़ गए थे। उनमें से कहीं-कहीं खून भी टपक रहा था। उस लॉबी में औरतें कम थीं। कुछ काउंटर के इस तरफ, कुछ दूसरी तरफ तो भी कुछ औरतें थीं। आसपास के चर्चों से निकलकर मदर मेरी के चित्र और प्रतिमाएँ यहाँ आ गई थीं और वे औरतें उन चित्रों और प्रतिमाओं में समाती जा रही थीं। वह चित्र आलटर पर पीछे रखे मदर मेरी का चित्र था, जो उस लड़की में समा गया था।

-'हिन्दी समय' से साभार

उसने देखा सब पुरुषों के चेहरों पर उस लड़की की दागी गई गोलियों के गहरे नीले-काले निशान पड़ गए थे। उनमें से कहीं-कहीं खून भी टपक रहा था। उस लॉबी में औरतें कम थीं। कुछ काउंटर के इस तरफ, कुछ दूसरी तरफ तो भी कुछ औरतें थीं। आसपास के चर्चों से निकलकर मदर मेरी के चित्र और प्रतिमाएँ यहाँ आ गई थीं और वे औरतें उन चित्रों और प्रतिमाओं में समाती जा रही थीं। वह चित्र आलटर पर पीछे रखे मदर मेरी का चित्र था, जो उस लड़की में समा गया था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

दो किनारे

लोग प्राय: कहते हैं कि हमारा / उनका / फलां का प्रेम नदी के दो किनारो की तरह है, जो साथ बहता तो है, समानांतर चलता तो है पर आपस में कभी मिल नहीं पाता। ध्यान देना, नदी के दो किनारे आपस में जुड़े होते हैं अपनी लहरों, अपने प्रवाह, अपने भीतर के बहाव अर्थात जलराशि के माध्यम से। कभी देखा तुमने कि एक किनारा पूर्व की ओर बढ़ रहा हो और दूसरा पश्चिम की ओर। वे आजीवन साथ चलते हैं, जलराशि उन्हें जोड़े रखती है, अंतर्भूत भावनाओं की तरह। दो तटों के बीच एक अनदेखा सेतु बना रहता है। एक किनारे यदि थपेड़े बढ़ते हैं तो दूसरा किनारा उसे संतुलित करने का प्रयास करता है। दूसरी ओर थपेड़े बढ़ते हैं तो पहला संतुलन की भूमिका में आ जाता है। आशंका, संभावना सबको मिलकर थाम लेते हैं दोनों किनारे।

भीतर तूफान के थपेड़े,
बाहर सैलानियों के फेरे,
आशंका-संभावना में
समन्वय साधे रखता है,
कितने अंतर्विरोधों को
हर तट थामे रखता है..!

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि सच्चा प्रेम यही है। सच्चा प्रेम एक दूसरे का साथ निभाने में, एक दूसरे के प्रति मोहित रहने में, साथ चलने में है। कुछ हद तक विरह में है। ऐसा इसलिए कि मिलन के बाद होता है विकर्षण पर विरह में बना रहता है सदैव परस्पर आकर्षण।

ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धि का वरदान दिया है। विचार करना कि दोनों किनारे यदि मिलकर एक हो जाएँ तो एक पतली-सी जलधारा तो होंगे पर नदी नहीं हो सकते। नदी का पाट किनारों के विस्तार का पाठ है।नदी किनारे बस्तियाँ बसती हैं, नदी किनारे सभ्यताएँ पनपती हैं। नदी में मछलियों का वास है, नदी में छोटे-बड़े जीव जंतुओं का अधिवास है। नदी जल का स्रोत है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं हो सकती। कल्पना कीजिएगा, नदियाँ नहीं होतीं तो मनुष्य का जीवन कैसा होता? कल्पना को पीछे छोड़ता यथार्थ तो यह है कि नदी या जलस्रोत के अभाव में जीवन संभव भी नहीं होता।

और जीवन क्या है? दर्शन कहता है, जीवन अद्वैत का जागरण है। अद्वैत जीवन में प्रेम को जगाता है। और प्रेम का अर्थ केवल मिलन नहीं होता। यूँ मिलन किसे कहते हो तुम? पार्थिव मिलन ही यदि मिलन की परिभाषा होती तो फिर विरह का अस्तित्व कैसे होता? विरह में भी सूक्ष्म का मिलन तो समाहित है ही न! स्मरण रखना, प्रेम बहुआयामी होता है, एकांगी नहीं।

नदी के दो किनारे प्रेम के शाश्वत प्रतीक हैं। सच्चा प्रेम वही है जिसमें साथ चलें, समानांतर चलें, एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। सृष्टि को कुछ दे सकें, जगत से जो पाया, उसका कुछ अंश लौटा सकें। जगत में प्रेम-संजीवनी बनकर बह सको, बिना किसी अपेक्षा के निरंतर चल सको तो जीवन कल-कल बहती सार्थकता में परिवर्तित हो जाता है। जीवन के किनारे रह जाना है या किनारा बनकर पाट का पाठ पढ़ना और पढ़ाना है, इसका निर्णय तुम्हें स्वयं करना है।

बोध कथा

सियार की रणनीति

एक जंगल में महाचतुरक नामक सियार रहता था। एक दिन जंगल में उसने एक मरा हुआ हाथी देखा। उसकी बांछे खिल गईं। उसने हाथी के मृत शरीर पर दांत गड़ाया पर चमड़ी मोटी होने की वजह से, वह हाथी को चीरने में नाकाम रहा। वह कुछ उपाय सोच ही रहा था कि उसे सिंह आता हुआ दिखाई दिया। आगे बढ़कर उसने सिंह का स्वागत किया और हाथ जोड़कर कहा, स्वामी आपके लिए ही मैंने इस हाथी को मारकर रखा है, आप इस हाथी का मांस खाकर मुझ पर उपकार कीजिए। सिंह ने कहा, मैं तो किसी के हाथों मारे गए जीव को खाता नहीं हूं, इसे तुम ही खाओ।

सियार मन ही मन खुश तो हुआ पर उसकी हाथी की चमड़ी को चीरने की समस्या अब भी हल न हुई थी।थोड़ी देर में उस तरफ एक बाघ आ निकला। बाघ ने मरे हाथी को देखकर अपने होंठ पर जीभ फिराई। सियार ने उसकी मंशा भांपते हुए कहा, मामा आप इस मृत्यु के मुंह में कैसे आ गए? सिंह ने इसे मारा है और मुझे इसकी रखवाली करने को कह गया है। एक बार किसी बाघ ने उनके शिकार को जूठा कर दिया था तब से आज तक वे बाघ जाति से नफरत करने लगे हैं। आज तो हाथी को खाने वाले बाघ को वह जरूर मार गिराएंगे।

यह सुनते ही बाघ वहां से भाग खड़ा हुआ। पर तभी एक चीता आता हुआ दिखाई दिया। सियार ने सोचा चीते के दांत तेज होते हैं। कुछ ऐसा करूं कि यह हाथी की चमड़ी भी फाड़ दे और मांस भी न खाए। उसने चीते से कहा,

प्रिय भांजे, इधर कैसे निकले? कुछ भूखे भी दिखाई पड़ रहे हो।सिंह ने इसकी रखवाली मुझे सौंपी है, पर तुम इसमें से कुछ मांस खा सकते हो। मैं जैसे ही सिंह को आता हुआ देखूंगा, तुम्हें सूचना दे दूंगा, तुम सरपट भाग जाना।पहले तो चीते ने डर से मांस खाने से मना कर दिया, पर सियार के विश्वास दिलाने पर राजी हो गया।चीते ने पलभर में हाथी की चमड़ी फाड़ दी।जैसे ही उसने मांस खाना शुरू किया कि दूसरी तरफ देखते हुए सियार ने घबराकर कहा, भागो सिंह आ रहा है।

इतना सुनना था कि चीता सरपट भाग खड़ा हुआ। सियार बहुत खुश हुआ। उसने कई दिनों तक उस विशाल जानवर का मांस खाया।सिर्फ अपनी सूझ-बूझ से छोटे से सियार ने अपनी समस्या का हल निकाल लिया।

सीख : बुद्धि के प्रयोग से कठिन से कठिन काम भी संभव हो जाता है।

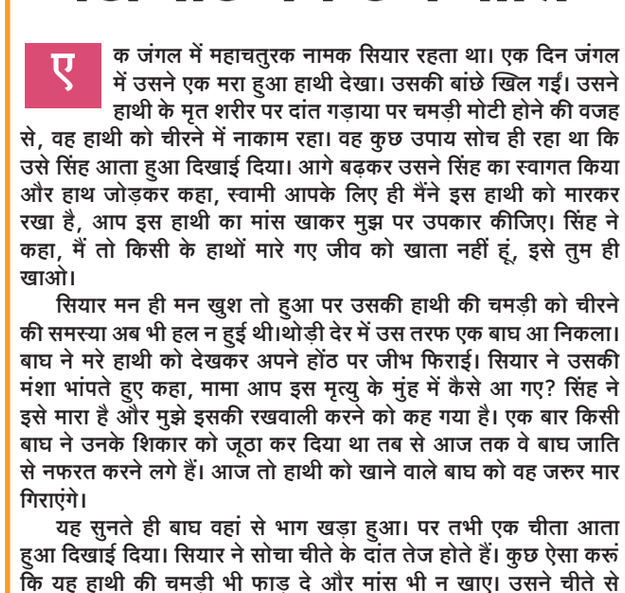

वीर गाथा

मेजर अभिषेक सिंहः घायल होकर भी दृढ़ता से किया जवानों का नेतृत्व, आतंकवादियों को किया ढेर

मेजर अभिषेक सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के महमूदाबाद में हुआ था। पिता परमेश सिंह और माता लक्ष्मी सिंह के बेटे अभिषेक बचपन से ही बहुत मेहनती और साहस के धनी रहे हैं। वे राष्ट्रीय राइफल्स की 50वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं।

अभिषेक ने कई सैन्य अभियानों में भाग लेकर कुशल नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। उन्होंने कई आतंकवादियों का खात्मा करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे जनवरी 2022 में 'ऑपरेशन ज़ोइउ' के तहत जम्मू-कश्मीर के बडगाम ज़िले में तैनात थे। वे 6 जनवरी को एक घेराबंदी टीम का नेतृत्व कर रहे थे।

इस दौरान मेजर अभिषेक को तीन लोगों की संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। वे आतंकवादी थे, जिन्होंने ललकारने पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। इस तरह आतंकवादियों के भागने की कोशिश नाकाम हो गई। इस दौरान एक आतंकवादी भी ढेर हो गया। इससे डरकर दो आतंकवादी एक तंग गली में छिप गए। अभिषेक ने तय किया कि वे खुद आगे जाकर आतंकवादियों का खात्मा करेंगे। जब वे आगे गए तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की। अभिषेक के आदेश पर जवानों ने गोलीबारी कर दूसरे आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया।

अचानक, तीसरे आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंका, जिससे अभिषेक घायल हो गए। उनका काफी खून बह रहा था। इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों का दृढ़ता से नेतृत्व किया और तीसरे आतंकवादी का पता लगा लिया। वह आतंकवादी दोबारा हमला करने की तैयारी में था, लेकिन अभिषेक ने तुरंत हमला कर उसे ढेर कर दिया।

बाद में पता चला कि वह 'ए प्लस' श्रेणी का खूंखार विदेशी आतंकवादी था। मेजर अभिषेक सिंह ने अद्भुत नेतृत्व और शानदार बहादुरी के साथ ऑपरेशन को कामयाब बनाया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूरोप की वनाग्नि के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बिना फटे बम बने नया खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/द कन्वरसेशन। जर्मनी के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित म्यूरित्ज राष्ट्रीय उद्यान में जुलाई में जब वनाग्नि भड़की तो यह कोई सामान्य अग्निशमन अभियान नहीं था। दमकलकर्मियों के साथ बम निरोधक दलों को भी काम करना पड़ा, क्योंकि जंगल की जमीन के नीचे शीत युद्ध के दौर के गोला-बारूद दबे हुए हैं। विस्फोट के खतरे के कारण कुछ हिस्सों तक दल सीधे नहीं पहुंच सके। इसके कुछ ही समय बाद दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के गिरोंड क्षेत्र में वनाग्नि ने 42,000 हेक्टेयर इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। ले पोर्ज गांव के आसपास खेतों में फैली आग ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय जमीन में दबे गोला-बारूद को सामने ला दिया। उस जमीन से कम से कम 75 गोले बरामद किए गए। आग के दौरान इनमें से कई गोले फट गए और एक गोला मकान की दीवार को भेदता हुआ निकल गया। हालांकि मकान को पहले ही खाली करा दिया गया था। स्थानीय मेयर मार्शल जानीनेत्ती ने कहा कि प्रशासन के पास इस बात का कोई रिकॉर्ड ही नहीं था कि वहां गोला-बारूद दबा हुआ है।

ये घटनाएं एक स्पष्ट समस्या की ओर इशारा करती हैं। यूरोप में 20वीं सदी के युद्धों के समय का भारी मात्रा में दबा हुआ विस्फोटक मौजूद है और महाद्वीप की वनाग्नि इतनी विकराल, इतनी गर्म और इतनी लंबे समय तक धधकती रही है कि वह इन विस्फोटकों तक पहुंच रही है। जमीन में दबी युद्ध सामग्री हमेशा खतरा बनी रहती है, लेकिन सामान्य परिस्थितियों में उनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती, इसलिए उनमें विस्फोट होने की आशंका कम रहती है। वनाग्नि के दौरान गर्मी और दबाव के कारण स्थिति बदल जाती है।

विस्फोटक सामग्री एक निश्चित तापमान सीमा से अधिक गर्म होने पर आग पकड़ सकती है या विस्फोट कर सकती है। पुरानी युद्ध सामग्री अक्सर निर्माण के समय की तुलना में अधिक अस्थिर भी हो जाती है, क्योंकि दशकों तक जंग लगने से उसके खोल और फ्यूज अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। पत्तियों और जमीन की ऊपरी सतह पर कुछ मिनटों की आग आमतौर पर इतनी गर्म नहीं होती कि विस्फोट हो सके। लेकिन कई घंटे या कई दिनों तक धधकती आग जमीन में इतनी गर्मी पहुंचा सकती है कि दबे हुए गोला-बारूद में सीधे विस्फोट हो जाए।

ब्रिटेन के नॉर्थ यॉर्कशायर में 2025 में लैंगडेल मूर में लगी आग के दौरान भी ऐसा कई बार देखने को मिला।

छह सप्ताह तक धधकती रही इस आग की लपटें जब गहरी पीट मिट्टी तक पहुंचीं, तो द्वितीय विश्व युद्ध के समय जमीन में दबे 20 से अधिक गोले फट गए। आग ऐसे गोला-बारूद को भी सामने ले आती है जिस तक गर्मी सामान्य परिस्थितियों में नहीं पहुंच पाती। वनस्पति और ऊपरी मिट्टी के नष्ट हो जाने से नीचे दबे गोले और बारूदी सुरंगें स्पष्ट तौर पर दिखने लगती हैं। ले पोर्ज में भी यही हुआ। आग बुझाने के बाद दल ने प्रभावित खेतों से 75 ऐसे गोले बरामद किए, जिनके वहां दबे होने की जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं थी।

थाईलैंड में एक हाई स्कूल, घर पर छात्र ने कम से कम सात लोगों की हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोंथाबुरी (थाईलैंड)/एपी। बैंकॉक के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक हाई स्कूल में शुक्रवार को एक छात्र ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि ऐसा लगता है कि उसने सुबह ही अपने घर पर अपने दादा-दादी की भी हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि 14 साल के छात्र ने स्कूल में अपनी जान दे दी।

उप गृह मंत्री पोलापी सुवंचवी ने बताया कि बैंकॉक के उत्तर-पश्चिम में स्थित नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल में सुबह लगभग 10 बजे हुई गोलीबारी में शिक्षकों और प्रशासक समेत स्कूल के पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। पोलापी ने बताया कि स्कूल में गोलीबारी से पहले, लड़के ने उस घर में अपने दादा-दादी की भी हत्या कर दी थी जहां वह उनके साथ रहता था।

स्कूल से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित बांग्याई अस्पताल ने बताया कि 23 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 10 की हालत गंभीर है और ज्यादातर लोगों को गोली लगी है। इससे पहले घायलों और मृतकों की संख्या को लेकर अलग-अलग जानकारी मिल रही थी।

स्कूल का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने उन खबरों की पुष्टि की कि हमलावर 14 साल का था और उसने खुदकुशी कर ली। उन्होंने कहा कि छात्र में स्कूल से जुड़े तनाव के लक्षण दिखे थे। पुलिस ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल की गयी बंदूक कानूनी तौर पर उसके दादा के नाम पर पंजीकृत थी।

बीईएमएल का पहली तिमाही का घाटा कम होकर 27 करोड़ रुपये हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीईएमएल का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में समेकित शुद्ध घाटा कम होकर 27.01 करोड़ रुपये रह गया है। राजस्व में बढ़ोतरी से कंपनी को अपना घाटा कम करने में मदद मिली है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में उसे 64.11 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 821.19 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 642.56 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) शांतनु राय ने कहा, ''पहली तिमाही में हमारा प्रदर्शन हमारे व्यावसायिक सिद्धांतों की मजबूती और हमारी परिवर्तन यात्रा में हो रही प्रगति को दर्शाता है। हमारा ध्यान सटीक निष्पादन, परिचालन उत्कृष्टता और प्रौद्योगिकी संचालित नवाचार पर बना हुआ है।''

स्वागत

नई दिल्ली में पवित्र श्रावण मास के दौरान चल रही वार्षिक कांवड़ यात्रा के अवसर पर दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा के पास स्थित एक कांवड़ सेवा शिविर में कांवड़ियों का स्वागत करतीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

फिल्म 'बंटवारा 1947' फिर से साबित करेगी कि इंसानियत से बढ़कर कुछ नहीं : सनी देओल

लखनऊ/भाषा। मशहूर सिने अभिनेता सनी देओल ने कहा कि उनकी जल्द आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' दर्शकों को यह एहसास कराएगी कि इंसानियत से बढ़कर कुछ नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे बंटवारे की मानवीय भावनाओं को महसूस करने के लिए इसे जरूर देखें। सनी देओल अपने बेटे करण देओल और अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ शुक्रवार को लखनऊ में अपनी फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे थे। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित यह फिल्म हिंदी के मशहूर साहित्यकार प्रोफेसर असगर वजाहत के नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या ओ जम्याई नई' पर आधारित है।

'जिस लाहौर नई वेख्या ओ जम्याई नई' मतलब है 'जिसने लाहौर नहीं देखा, उसने मानो जन्म ही नहीं लिया यानी उसने कुछ नहीं देखा'। यह साफ करते हुए कि यह फिल्म उनकी 2001 की ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर : एक प्रेम कथा' से अलग है, जो भारत-पाकिस्तान के रिश्तों और बंटवारे की पृष्ठभूमि पर बनी थी। देओल ने कहा कि पिछली फिल्म मुख्य रूप से एक प्रेम कहानी थी। पत्रकारों से

बातचीत के दौरान देओल ने कहा, फिल्म 'गदर' बंटवारे के समय की एक खूबसूरत प्रेम कहानी थी, लेकिन वह पूरी तरह से एक प्रेम कहानी थी। 'बंटवारा 1947' उपन्यास 'जिस लाहौर नई वेख्या ओ जम्याई नई' पर आधारित है, जिसे राजकुमार संतोषी ने फिल्म के लिए रूपांतरित किया है। उन्होंने कहा, अगर आपको ट्रेलर पसंद आया, तो मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि आपको फिल्म भी पसंद आएगी। संतोषी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए देओल ने कहा कि उनका साथ घायल से शुरू हुआ और दामिनी और घातक तक जारी रहा। ये सभी 1990 के दशक की सफल फ़िल्में थीं।

उन्होंने कहा, ''राजकुमार संतोषी और मैंने साथ में बहुत अच्छा काम किया है। हमारा सफ़र 'घायल' से शुरू हुआ, जिसके बाद 'दामिनी' और फिर 'घातक' बनी। इन्हीं तीन फिल्मों की वजह से हम आज भी साथ हैं और इसलिए हम चौथी फिल्म साथ कर पा रहे हैं।'' देओल ने कहा कि उनकी पिछली सभी फिल्मों में अलग-अलग किरदार और कहानियां थीं, और 'बंटवारा 1947' भी इसी तरह की एक अलग कहानी है।

उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसी फिल्म है जिसे सभी बच्चों और आज के युवाओं को देखना चाहिए। उन्हें पता चलेगा कि बंटवारे के दौरान परिवारों के साथ क्या हुआ था, उस समय जब लोगों को यह भी समझ नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। इस फिल्म को देखने के बाद, आपको यकीन हो जाएगा कि इस दुनिया में इंसानियत से बढ़कर कुछ भी नहीं है।'' आठ साल के अंतराल के बाद फिल्मों में वापसी कर रहीं प्रीति जिंटा ने कहा कि 'बंटवारा 1947' उनकी 2004 की सफल फिल्म 'वीर-जारा' से अलग है, भले ही दोनों में भारत-पाकिस्तान का विषय शामिल है।

उन्होंने कहा, ''वह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित थी और यह एक पारिवारिक फिल्म है, जो एक परिवार की कहानी पर आधारित है।'' जिंटा ने कहा कि फिल्मों में वापसी करना एक बहुत सुखद अनुभव रहा, खासकर इसलिए क्योंकि वह फिर से देओल के साथ काम कर रही थीं। उन्होंने कहा कि फिल्म पर काम करते हुए उन्हें घर जैसा महसूस हुआ और बीच के सालों में उन्होंने अपनी जिंदगी के दूसरे पहलुओं पर ध्यान दिया, जिसमें उनकी स्पोर्ट्स वेंचर्स' भी शामिल थे।

सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीर

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मां बनने जा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्भावस्था के खूबसूरत पलों को फैंस संग शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्हें मैटरनिटी से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। एक तस्वीर में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सोफे पर लेटी हुई इना मे की 'गाइड टू चाइल्डबर्थ' किताब पढ़ती हुई दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा, अगस्त एनर्जी और साथ में सफेद दिल वाले इमोजी भी लगाए। काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें चल रही थीं। इन पर अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी। सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी। अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से

अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत और गौतमी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी स्वर्ण (सामंथा) और उसके पति अनिरुद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिवार की बिना मर्जी के शादी करने के बाद पहली बार अपने पति के परिवार से मिलने गांव जाती है। शुरुआत में परिवार में उनका कड़ा स्वागत होता है और स्वर्ण सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, हालांकि स्वर्ण जैसी दिखती है, उसका अतीत उससे बिल्कुल अलग और एक खतरनाक, हिंसक दुनिया से जुड़ा होता है जो अचानक सामने आ जाता है। बी.वी. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सामंथा ने 'स्वर्ण' नाम की एक महिला का किरदार निभाया है, जो अपने अतीत को छिपाकर शांत पारिवारिक जीवन जी रही है।

भारतीय मूल के लेखक ब्रिटेन के सामुदायिक निधि के बोर्ड में नियुक्त

लंदन/भाषा। भारतीय मूल के एक लेखक को ब्रिटेन के 'नेशनल लॉटरी कम्युनिटी फंड' के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। यह देश की प्रमुख वित्तपोषण संस्थाओं में से एक है, जो आकर्षक अनुदानों के जरिए सामुदायिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद करती है। 'थिंक टैंक ब्रिटिश फ्यूचर' के संस्थापक सुंदर कटवाला ने इस सप्ताह अपनी नई जिम्मेदारी संभाली है। इसमें सामुदायिक निधि की रणनीति और उसके कामकाज को प्रभावी ढंग से लागू करना शामिल है। 'हाउ टू बी ए पैट्रियट' के 52 वर्षीय लेखक चार साल के कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष डेम जूलिया क्लेवरडन और बोर्ड के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे।

ब्रिटेन के डिजिटल, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) ने नई नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि सुंदर कटवाला 'ब्रिटिश फ्यूचर' के निदेशक हैं। 'ब्रिटिश फ्यूचर' एक स्वतंत्र, गैर-दलीय थिंक टैंक और परमार्थ संस्था है। यह संस्था पहचान, आव्रजन और एकीकरण से जुड़े मुद्दों पर काम करती है। इसका उद्देश्य बदलते ब्रिटेन में लोगों के बीच भरोसा और साझा समझ को बढ़ावा देना है।

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

असम में आई भीषण बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए अभिनेता अनुपम खेर ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। अभिनेता ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 लाख रुपए दान किए है। अभिनेता ने यह दान आरटीजीएस के जरिए राज्य में चल रहे प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाई और राज्य में चल रहे राहत प्रयासों का समर्थन किया, जिसमें बाढ़-प्रभावित राज्य में चल रहे बचाव, राहत और पुनर्वास प्रयासों में मदद के लिए सीधे आधिकारिक राहत कोष में रुपए ट्रांसफर किए। यह योगदान अनुपम खेर द्वारा देशभर के लोगों से बाढ़ से हुई भारी तबाही के बीच असम को मदद देने की अपील के कुछ दिनों बाद आया है।

अनुपम खेर का ये योगदान दिखाता है कि किसी भी आपदा के समय सबको मिलकर साथ खड़ा होना चाहिए। अनुपम खेर फाउंडेशन के जरिए एक्टर लगातार ऐसे कामों का समर्थन करते आए हैं, जिनका मकसद जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए उनके द्वारा किया गया ये दान भी उसी कड़ी का एक हिस्सा है, ताकि लोग इस आपदा से उबर सकें। असम में बाढ़ पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष का इस्तेमाल किया जा रहा है। देशभर के लोग और संस्थाएं इसमें लगातार मदद भेज रहे हैं।

कुछ दिन पहले अभिनेता ने इंस्टाग्राम के जरिए सभी से असम की मदद के लिए हाथ बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बाढ़ से बहुत ज्यादा तबाही हुई है। एक्टर ने लोगों से गुजारिश की कि वो जितना हो सके मदद करें, क्योंकि छोटी सी मदद उन परिवारों के लिए बहुत बड़ी होगी, जो अपनी जिंदगी फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं। असम पिछले कुछ वर्षों की सबसे भीषण बाढ़ में से एक से जूझ रहा है। कई जिलों में लाखों लोग इससे प्रभावित हुए हैं। राहत का काम बड़े पैमाने पर चल रहा है। सरकार, संस्थाएं और आम लोग मिलकर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं।

अनुष्ठान

नेपाल के काठमांडू में हिंदू पवित्र महीने सावन (श्रावण) के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान करते श्रद्धालु।

झारखंड छात्रों के समर्थन पर उतरी कुनिका सदानंद

मुंबई/एजेन्सी

झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का बड़ा आंदोलन चल रहा है। इसी बीच अभिनेत्री कुनिका सदानंद छात्रों के समर्थन में सामने आई हैं। कुनिका ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार से छात्रों की आवाज सुनने की अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने छात्रों की दिक्कतों को समझते हुए परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। साथ ही, यह भी बताया कि वे जल्द ही बच्चों के सपोर्ट के झारखंड जाएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने ये सुनिश्चित नहीं किया कि वे कब जाएंगी। अभिनेत्री ने लिखा, झारखंड के स्टूडेंट्स सिर्फ अपने हक की बात कर रहे हैं। उनकी आवाज को सुना जाना चाहिए, दबाया नहीं जाना चाहिए। मैं उनसे मिलने आ रही हूं, उनका दर्द सुनने, उनके साथ खड़े होने और उनकी आवाज को और बुलंद करने। जब युवा बोलते हैं, तो हमारे देश का भविष्य बोलता है। झारखंड छात्र प्रोटेस्ट के सपोर्ट में सोनाक्षी सिन्हा, इमरान खान जैसे कई सेलेब्स सपोर्ट में आए हैं। बता दें कि झारखंड में छात्रों द्वारा चलाए जा रहे प्रोटेस्ट में सीबीआई जांच, ओएमआर शीट सार्वजनिक करने और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग रखी जा रही है। वहीं, छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में हजारों छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरने और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि बार-बार होने वाली भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। इस आंदोलन को छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर शुरू किया है। आंदोलन के दौरान छात्रों ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। हालांकि, इस आंदोलन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार छात्रों की चिंताओं से अवगत है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

अनिल कपूर लेकर आ रहे हैं नया क्विज शो 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट'

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अनिल कपूर जल्द ही रियलिटी क्विज शो 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' को होस्ट करते नजर आएंगे। यह शो 5 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। शो की घोषणा के साथ ही अनिल कपूर ने इसकी खासियतों के बारे में बताया कि यह दर्शकों के लिए एक नया अनुभव लेकर आएगा। अनिल कपूर ने कहा कि वह इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यह घोषणा करते हुए बहुत खुश हूं कि 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' का प्रीमियर 5 सितंबर को होने जा रहा है। इस शो का शानदार लॉन्च एक बेहद खास अनुभव रहा। इतने भव्य और शानदार माहौल में इस शो की शुरुआत की घोषणा करना मेरे लिए और भी यादगार पल बन गया है।'' उन्होंने बताया, ''यह शो दुनियाभर में लोकप्रिय रहे इंटरनेशनल फॉर्मेट 'द 1 पर्सेंट क्लब' का भारतीय रूप है। यह फॉर्मेट नीदरलैंड्स, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, तुर्की, यूक्रेन, मेक्सिको और अमेरिका जैसे कई देशों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुका है। अब यह पहली बार भारतीय दर्शकों के सामने पेश किया जा रहा है।''

अनिल कपूर ने कहा, '''इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' आम

क्विज शो की तरह नहीं होगा। यह शो इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपको कितनी चीजों की जानकारी है, बल्कि यह इस बात को सामने लाता है कि आप किस तरह सोचते हैं। आपकी सोचने की क्षमता, किसी बात को समझने का तरीका और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता इस शो में सबसे ज्यादा मायने रखेगी। उन्होंने आगे बताया, ''इस शो की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें केवल प्रतियोगी ही हिस्सा नहीं लेंगे, बल्कि घर बैठे दर्शक भी हर सवाल के साथ जुड़ सकेंगे। यह शो पूरे परिवार के साथ बैठकर देखने वाला मनोरंजक अनुभव होगा, जहां हर उम्र के लोग अपनी सोच और समझ को परख सकते हैं।''

शो की चुनौतियों के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा, ''हर सवाल दर्शकों और प्रतियोगियों के दिमाग को चुनौती देगा। यह शो दर्शकों को लगातार चौंकाएगा और आपकी सोच को चुनौती देगा। यहां हर चुनौती आपकी ऑब्जर्वेशन क्षमता, लॉजिक, प्रेजेंस ऑफ माइंड और मुश्किल समय में शांत रहने की क्षमता को परखेगी।'' अनिल कपूर ने शो की सबसे खास बात बताते हुए कहा, ''इस शो की सबसे अच्छी बात यह है कि घर पर बैठे लोग भी हर सवाल का जवाब दे सकते हैं और खुद समझ सकते हैं कि उनका दिमाग किस तरह काम करता है। यह सिर्फ एक गेम शो नहीं है, बल्कि खुद को जानने और अपनी सोच को समझने का एक मौका भी है।'' 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' का प्रसारण 5 सितंबर से स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा।

निरंतर शुभ भावना की वृद्धि ही हमारी भवोभव की यात्रा का नाश करने में सक्षम : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

प्रमोद मुतालिक ने किए आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन में शनिवार को चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के दर्शन करने श्रीराम सेना के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक अपने सहयोगियों के साथ पहुंचे। उन्होंने संतों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुतालिक ने संतों का स्वागत करते हुए कहा कि आज भारत में लव जिहाद के माध्यम से हजारों बेटियों का जीवन बर्बाद हो रहा है। उनकी संस्था ने हेल्प लाइन जारी की है ताकि लव जिहाद की शिकार हो चुकी लड़कियों को वापस उनके घर पहुंचाया जा सके।उन्होंने कहा कि इस विषय पर समाज को जागना होगा। जागरण की लहर चलाने के लिए श्रीराम सेना कमर कस कर काम कर रही है। जब तक हमें संतों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहेगा, हम भारतीय संस्कृति और अस्मिता का रक्षण करते रहेंगे। गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के द्वारा मुतालिक का सम्मान किया गया । इससे पूर्व प्रवचन करते हुए मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि क्रिया रूपी कलेवर को जीवंत बनाने में शुभ भाव प्राण संचार का काम करते हैं।

शुभ भाव के अभाव में की जाने वाली धर्म क्रिया मात्र जड़ है। लोग धर्म क्रियाएं तो बहुत करते हैं किंतु अपने भावों को शुभ बनाने का जब तक प्रयास नहीं करेंगे तब तक कोरी क्रियाएं निरर्थक हैं। जैन धर्म भाव प्रधान धर्म है। जीव मात्र के प्रति हमारे रोम रोम में प्रेम, मैत्री और करुणा की भावना होनी चाहिए। आजकल लोग बड़े संकुचित दिल वाले होते जा रहे हैं। पल पल में भाव बनते हैं और बिगड़ते हैं। शुभ भाव तो बहुत मुश्किल से आते हैं और अगर आ भी जाएं तो ज्यादा समय तक टिकते नहीं हैं। व्यक्ति दिनभर 18 प्रकार के पापों में लिप्त होकर वैसी ही भावधारा में खोया रहता है जिस कारण उसकी आत्मा दुर्गति की ओर बढ़ती है। संतश्री ने प्रसन्नचंद्र राजर्षि का दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि साधना करते करते उनका मन संग्राम भूमि में चला गया और मन ही मन शत्रुओं को मारने लगे जिस कारण उन्होंने सातवीं नरक जाने जितने कर्म दलिक इक्ठे कर लिए।

कुछ क्षण में जैसे ही उन्हें भान हुआ कि वो अब राजा नहीं है, उन्होंने राज सत्ता त्याग कर मुनि जीवन स्वीकार कर लिया। तत्क्षण उन्होंने मन ही मन घोर पश्चाताप से भरकर भावधारा की शुद्धि प्रारंभ की। परिमाण यह हुआ कि उनकी भावधारा अशुभ से शुभ और शुभ से शुद्ध होते होते केवलज्ञान तक पहुंच गई। अतः हमें भी अपने मन को शुभ भावों में जोड़ना चाहिए। निरंतर शुभ भावना की वृद्धि ही हमारी भवोभव की यात्रा का नाश करने में सक्षम है।

धन की ममता ही दुर्गति का कारण : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि समता ही जीवन का सार है। ममता, मोह, ममत्व ये विभाव रूप आत्मा को कर्मों से भारी बनाते हैं। समता से ही सिद्धि है, अतः साधक ममता, मोह, ममत्व, आसक्ति का त्याग कर अपने जीवन में समता भाव को धारण करें। तभी जीव की इस संसार से मुक्ति संभव है। उन्होंने आगे कहा कि साधक अपने आहार पर भी संयम रखें। पहला सुख निरोगी काया को बताया गया है। उन्होंने सभी तपस्या करने वाले श्रावक श्राविकाओं के तप की मंगल अनुमोदना करते हुए सबको साधुवाद दिया।ङ्कसाध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने अपने संबोधन में आगम वाणी श्री आचांराग सूत्र के माध्यम से बताया कि प्रभु वचनों पर श्रध्दा रखने वाला साधक अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए अवश्य ही इस संसार रूपी सागर से पार हो जाता है।

उन्होंने कहा कि अंधश्रद्धा का पहाड़ टूटने वाला नहीं जब तक जिनवाणी का श्रवण, आचरण नहीं किया तब तक। चंचल मन रूपी सर्प को जिनवाणी रूपी जड़ी बूटी से वश में किया जा सकता है। संघ के चेयरमैन महावीरचन्द मुथा ने आगंतुकों का स्वागत किया। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

पहला सुख-निरोगी काया : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने 'पहला सुख निरोगी काया' विषय पर अपने विशेष प्रवचन में कहा कि अगर हम स्वस्थ रहेंगे तो धर्म आराधना

आराम से कर सकेंगे। अगर शरीर में कोई व्याधि हो तो हमारी धर्माराधना में कठिनाइयां आएंगी। हमारी सारी सम्पत्ति प्रदान करने पर भी उसके बदले में हम अच्छी निरोगी काया प्राप्त नहीं कर सकते हैं। हमारी पुण्याई से ही हम अच्छी सेहत प्राप्त कर सकते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी सम्पदा है। आहार और पानी हमारे जीवन का आधार है। पेट अगर भरा है तो हमारा मन धर्माराधना में भी अच्छी तरह से लगेगा। हमें सौ कार्य छोड़कर भी पहले भोजन ग्रहण करना चाहिए और हजार कार्य छोड़कर भी तरीके से पानी पीना चाहिए। हमारा भोजन संयमित, संतुलित और सात्विक होना चाहिए। जैन शास्त्रों के अनुसार विधि सहित प्रतिक्रमण करने से हमारे शरीर का पूरा व्यायाम हो जाता है। हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए वात, पित्त और कफ का संतुलित रहना जरूरी है। आहार प्रियकारी जीभ के लिए अच्छा लगने वाला आहार और श्रेयकारी हमारे शरीर के लिए अच्छा आहार है। आज से साढे तीन हजार वर्ष पूर्व बाघभट्ट सूरीजी ने अष्टांग संग्रहम और अष्टांग हृदयम दो ग्रंथों की रचना सात हजार नियमों के साथ की। नियमों का पालन हमें प्रतिदिन के जीवन में करना चाहिए।

कषायों के कारण ही आत्मा नए कर्मों के बंधन में बंधती है : साध्वीश्री सत्यप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री सत्यप्रभाजी ने शनिवार को उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कषायों के कारण ही

आत्मा नए कर्मों के बंधन में बंधती है, इसलिए इन विकारों को बाहर ही रोक देना आध्यात्मिक जीवन का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आत्मा के तीन प्रमुख धर्मों,'हेय' (त्यागने योग्य), 'ज्ञेय' (जानने योग्य) और 'उपादेय' (ग्रहण करने योग्य) का दार्शनिक वर्णन किया। उन्होंने समझाया कि जीवन में जब तक हम अपने भीतर यह विवेक नहीं जगाएंगे कि किन दुर्गुणों को हमेशा के लिए छोड़ना है, किन संसार के स्वरूपों को केवल जानना है और किन सद्गुणों को अपने आचरण में उतारना है, तब तक हमारी साधना अधूरी है। जो व्यक्ति इस भेद-विज्ञान को गहराई से समझ लेता है, वह सहज ही कषायों के जंजाल से मुक्त होकर अपनी आत्मा को परम निर्मलता और मोक्ष मार्ग की ओर ले जाता है। ङ्कसाध्वीश्री तरुणशीला जी ने कहा, जैन दर्शन में कुल 22 प्रकार के परिषहों का वर्णन किया गया है। इनमें से 'क्षुधा परिषह' यानी भूख की वेदना को समता पूर्वक सहन करना, आध्यात्मिक मार्ग की एक बहुत बड़ी साधना है। किसी भी प्रकार के स्वादिष्ट भोजन की लालसा उत्पन्न न होने देना ही सच्चे साधक की पहचान है। सभा की शुरुआत में साध्वी डॉ सुप्रतिभाश्रीजी ने सामायिक के तीन मुख्य पाठों-णमोकार मंत्र, तिक्खुत्तो वंदना और नमुत्थुणं पाठ की महिमा पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि ये तीनों ही पवित्र सूत्र मुख्य रूप से विनय, वंदन और नमन के प्रतीक हैं। इनके सच्चे भाव से उच्चारण करने पर व्यक्ति का अहंकार नष्ट होता है और आत्मा में विनम्रता आती है। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, महामंत्री महावीरचन्द मेहता और मंत्री दिनेश चोपड़ा ने अतिथियों का सम्मान किया। संचालन हितेश कांकलिया ने किया।

संतों की संगत में मिलता है सुख : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने कहा कि हमें अच्छे लोगों के संग में रहना चाहिए। आज के समय में अच्छा संत, अच्छी वाणी मिलना बहुत मुश्किल है। सत्संग मिलना दुर्लभ है। संत सूप के समान होता है, खराब चीजों को उड़ा देता है। संतों की संगत में सुख मिलता है। जीवन का कण कण खिलता है। सत्संग अज्ञानता मिटाता है। सत्संग से भगवन मिलते हैं। दीपक से दीपक जलता है, वैराग्य मिलता है, सौभाग्य मिलता है। जैसे पानी से पौधा खिलता है वैसे ही अच्छे लोगो के पास बैठने से ज्ञान मिलता है। आदमी का रूपांतरण हो जाता है। ङ्कलोकेश मुनिजी ने कहा कि स्वाध्याय ही तपस्या है, किताब पढ़ना स्वाध्याय है, जिससे कर्मो की निर्जरा होती है। अच्छे विचार करने के लिए कायोत्सर्ग करना होता है। कायोत्सर्ग के ध्यान से मनुष्य बहुत गहराई में चला जाता है। शुद्ध और अर्थ के साथ आगम पढ़ने से मन की सुंदरता बढ़ती है। तन की सुंदरता बढ़ाने के बदले व्यवहार की सुंदरता को बढ़ाए, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जीतो लेडीज़ विंग मैसूरु को मिले राष्ट्रीय पुरस्कारों पर आयोजित हुआ सम्मान कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) मैसूरु लेडीज़ विंग को जीतो के राष्ट्रीय स्तर पर 7 प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त होने की उपलब्धि पर शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जीतो मैसूरु के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत करते हुए लेडीज़ विंग की उपलब्धियों की सराहना की। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन मोना भटेवरा ने पिछले दो वर्षों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का विवरण दिया तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त उपलब्धियों का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास एवं सभी सदस्यों के सहयोग को दिया। इस अवसर पर मैसूरु चैप्टर के पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, अपेक्स के संयोजक पुनीत श्रीश्री माल तथा लेडीज़ विंग की उपाध्यक्ष सरिता बागमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर जीतो के उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष गौतम बागमार, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, राजन बागमार सहित लेडीज़ विंग की उपाध्यक्ष सरिता बागमार, सपना गांधी, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौतम सालेचा ने किया।

आसक्ति को कम करके, जी सकते हैं हम सुख से : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के तत्वावधान में श्रोताओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आसक्ति सदैव दुःख लाती है।

कोई वस्तु हो या व्यक्ति अथवा स्थान, ज्यों ज्यों उनके प्रति हमारे भीतर आसक्ति का भाव पनपता है, त्यों त्यों हम दुःख के मार्ग पर आगे बढ़ते जाते हैं। अनासक्ति श्रेष्ठतम साधना है, वही सच्चे सुख का मार्ग है।

जो अनासक्त भावों से जीते हैं, वे सचमुच महान हैं। किसी के भी प्रति ज्यादा लगाव, ममत्व की भावना या मूर्च्छा का होना आसक्ति का ही स्वरूप है। वह एक तरह की परतंत्रता है।

जिसके प्रति हम आसक्त होते हैं, वह हमें गुलाम बनाती है। आत्मा की स्वतंत्रता वहां नष्ट होती है। उस व्यक्ति, वस्तु, स्थान या स्थिति के प्रति निर्भरता बढ़ती है। निर्भरता परतंत्रता का ही एक रूप है। जहां निर्भरता नहीं होती, वहां अनूठे आनंद की अनुभूति होती है। घटती जैन जनसंख्या के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से काम कर रही संस्था शासन दीप की ओर से तीसरी संतान के जन्म के उपलक्ष्य में 6 दंपतियों को दो-दो लाख रुपए प्रदान कर सम्मानित किया गया। गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने विभिन्न तपस्वियों को मंगलपाठ और संकल्प प्रदान किया।

ऊर्जा, शक्ति और पराक्रम का भंडार है आज की युवा पीढ़ी : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु । शहर के हल्लदकेरी स्थित स्थानकवासी जैन संघ के जैन स्थानक भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश के सान्निध्य में शनिवार को अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच की युवा शाखा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री कमलमुनिजी ने कहा कि ऊर्जा राम में भी थी, रावण में भी थी, कंस और कृष्ण, दुर्योधन, अर्जुन सभी के अंदर थी ऊर्जा, पर ऊर्जा होना महत्वपूर्ण नहीं है। यदि ऊर्जा को सही दिशा नहीं मिले तो ऊर्जा संकट, विपत्ति और पतन का कारण बनता है।

जब सद्गुरु के माध्यम से युवा को सही दिशा मिल जाती है तब उनकी जिंदगी की दशा बदल जाती है। संतश्री ने कहा कि युवा पीढ़ी ऊर्जा, शक्ति और पराक्रम का भंडार है, उसमें क्रांति का संचार हो जाए तो वे विश्व को बदलने की शक्ति रखते हैं।

इरादा नेक और विचार निस्वार्थ है तो कारवां अपने आप बढ़ता जाएगा। ङ्कसंतश्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फैशन और व्यसन से युवा पीढ़ी खोखली हो रही है, उन वायरस से युवाओं को बचाना, समय की सबसे बड़ी मांग है।बैठक में युवा शाखा के अनेक पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन, सेवा और सहयोग पर जोर दिया। बैठक में तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा से भारी संख्या ने युवाओं ने भाग लिया। संघ की ओर से तेजराज नंगावत, मीठालाल बाघमार भीकमचंद पिपाड़ा आदि ने युवाओं का स्वागत किया। संचालन मंत्री बुधमल बागमार ने किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान : कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल पुनर्गठन में कलघटगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक संतोष लाड को पुनः मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद उनके हुब्बल्ली आगमन पर समाज के गणमान्य नागरिकों ने उनका सम्मान कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एएम हिंडसगिरि, सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सिंघी, धारवाड़ ग्रामीण जिला कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल कुमार पाटिल, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा, सुधीर वोरा, सुभाषचंद्र डंक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विद्या सुरक्षा योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के उपनगर नेलमंगला स्थित बसवदेवरा मठ शिक्षण संस्थान में मठ प्रमुख श्री सिद्धलिंगा स्वामीजी एवं वनकल्लू मलेश्वर मठ प्रमुख बसवा रामानंद स्वामीजी की उपस्थिति में मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत हजारों विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत।

शरीर, मन और जागरूकता के बीच उचित सामंजस्य से परिवर्तन संभव : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में आयोजित अपने दैनिक प्रवचन में मुनिश्री वीरसागरजी ने मन की शक्ति, अवचेतन मन की कार्यप्रणाली और आत्मपरिवर्तन के मार्ग को आध्यात्मिक दृष्टि से समझाते हुए कहा कि 'विज़ुअलाइज़ेशन करना शेखचिल्ली बनना है? विषय पर स्पष्ट किया कि बिना आधार की कल्पनाओं में खो जाना और किसी सकारात्मक भाव या लक्ष्य को गहरी आस्था, संकल्प, पुरुषार्थ और निरंतर साधना के साथ अपने भीतर धारण करना दो बिल्कुल अलग

अवस्थाएँ हैं। मनुष्य के जीवन में केवल जाग्रत चेतना ही कार्य नहीं करती, बल्कि अवचेतन स्तर पर भी असंख्य अनुभव, संस्कार, विचार और प्रतिक्रियाएँ निरंतर कार्यरत रहती हैं।

उन्होंने चेतन और अवचेतन मन की सूचना ग्रहण करने की क्षमता का उदाहरण देते हुए समझाया कि यदि मनुष्य अपने शरीर, मन और जागरूकता के बीच उचित सामंजस्य स्थापित कर ले, तो उसके भीतर परिवर्तन की अपार संभावनाएँ जागृत हो सकती हैं।

मुनि श्री ने शेखचिल्ली की कल्पना का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल मन में बड़े-बड़े सपने देखना, लेकिन उनके लिए कोई पुरुषार्थ न करना, वास्तविक चिंतन या संकल्प नहीं है। ऐसी कल्पना व्यक्ति को वास्तविकता से दूर ले जा सकती है। इसके विपरीत, सच्चा सकारात्मक चिंतन वह है जिसमें व्यक्ति किसी श्रेष्ठ भाव को केवल सोचता ही नहीं, बल्कि उसे अपने भीतर गहराई से अनुभव करता है और उसके अनुरूप अपने आचरण तथा पुरुषार्थ को दिशा देता है।

श्रद्धा और विश्वास के मिलन से शिवतत्व की प्राप्ति संभव : पंडित पवन शर्मा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित ईटा अपार्टमेंट में सखी मंडल द्वारा श्रवण मास में आयोजित तीन दिवसीय शिव पार्वती विवाह कथा के तीसरे दिन पंडित पवन शर्मा ने पार्वती माता की शिव प्राप्ति के लिए की गई तपस्या का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि मन में दृढ़ निश्चय हो तो शिव को भी समर्पित होना पड़ता है। कथा में शिव बारात को देख कर मैना रानी का पार्वती विवाह से मना करना, नारद जी के समझाने पर विवाह के लिए स्वीकृति देना, वर वधू के वचनों और फेरों का महत्व, पतिव्रत धर्म की महत्ता आदि प्रसंगों की सुंदर व्याख्या की गई। कथा में शिव पार्वती विवाह की मनोरम झांकी सजाई गई। कथा में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**